CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 258 ता. 07 अप्रेल 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सीबीआई ने भ्रष्टाचार के आरोप में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को किया गिरफ्तार

मुंबई। सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया है। अनिल देशमुख के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में यह गिरफ्तार हुई है। इससे पहले, एजेंसी ने देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे और सचिव संजीव पलांडे और बर्खास्त सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे को हिरासत में लिया था। बता देंकि हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल देशमुख की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस डेरे ने निर्देश दिया कि याचिका को दूसरी पीठ के समक्ष रखा जाए। देशमुख ने विशेष सीबीआई अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी हिरासत की मांग करने वाले सीबीआई के आवेदन को अनुमति दी गई थी। सीबीआई ने आरोप लगाया कि अनिल देशमुख जानबूझकर एजेंसी की हिरासत से बचने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए उन्होंने खुद को सरकारी जेजे अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को शहर के रेस्तरां और बार से हर महीने 100 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य दिया था। वहीं देशमुख ने इन आरोपों को खारिज किया था ।

भाजपा सरकार

माकपा ने यदि कांग्रेस से हाथ मिला लिया तो भी वह मोदी सरकार को गिरा नहीं पाएगी : केरल भाजपा

एजेंसी ।

भाजपा की केरल इकाई ने बुधवार को कहा कि माकपा ने आम चुनाव के दौरान यदि कांग्रेस से हाथ मिला लिया, तो भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार गिराने की उसकी इच्छा पूरी नहीं होगी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एक व्यापक धर्मनिरपेक्ष गठबंधन की जरूरत पर जोर दिये जाने की पृष्ठभूमि में भाजपा का यह बयान आया है। भाजपा के प्रदेश प्रमुख के. सुरेंद्रन ने यहां कहा कि भाजपा लोकसभा में 301 सीटों और राज्यसभा में 101 सीटों के साथ विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है, लेकिन देश में कभी व्यापक स्तर पर मौजूदगी रखने वाले वाम दल सिमट कर बस केरल तक रह गये हैं। उन्होंने भाजपा के 42वें स्थापना दिवस समारोहों के सिलसिले में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में यह कहा। सुरेंद्रन ने कहा कि माकपा (राष्ट्रीय स्तर पर) भाजपा को हराने में सक्षम नहीं होगी, भले ही वह कांग्रेस से हाथ क्यों ना मिला ले। माकपा (राष्ट्रीय स्तर पर) भाजपा को हराने में सक्षम नहीं होगी, भले ही वह कांग्रेस से हाथ क्यों ना मिला ले। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस पार्टी कहती है कि भाजपा मुख्य प्रतिद्वंद्वी है। लेकिन वह पश्चिम बंगाल में अपने कार्यकर्ताओं को समझा नहीं पा रही है, जहां माकपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गुंडों के हमलों से बचने के लिए भाजपा कार्यालय में शरण ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गुंडों के हमलों से बचने के लिए भाजपा कार्यालय में शरण ले रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कभी पूरे देश पर शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी अब तहस-नहस हो गई है, वहीं प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने निर्मला सीतारमण से की मुलाकात, जीएसटी और लंबित परियोजनाओं पर हुई चर्चा

एजेंसी । कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर उनसे अपर भद्रा परियोजना के लिए कोष को स्वीकृत करने और हरित ऊर्जा गलियारा परियोजनाओं को अग्रिम मंजूरी देने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय राजधानी के दो दिवसीय दौरे पर आए बोम्मई ने संसद भवन परिसर में वित्त मंत्री से मुलाकात की। बोम्मई ने कर्नाटक की राजनीति और मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक के लिए फिर से समय मांगा है। बोम्मई और नड्डा के बीच यह बैठक दिन के दौरान बाद में हो सकती है। बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैंने नड्डा जी से मुलाकात के लिए फिर से समय मांगा है। वह आज शाम या रात में समय दे सकते हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने निर्मला सीतारमण के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा, ''मैंने भाजपा स्थापना दिवस में भाग लिया। उसके बाद मैंने वित्त मंत्री से मुलाकात की और प्रमुख रूप से अपर भद्रा परियोजना के लिए कोष को स्वीकृत करने तथा हरित ऊर्जा गलियारा परियोजनाओं को अग्रिम मंजूरी देने का अनुरोध किया। बोम्मई ने सीतारमण के साथ वस्तु एवं सेवा कर(जीएसटी) समूह के मंत्रियों की बैठक पर भी विस्तार से चर्चा की और रायचूर में बाजरा उत्पादकों की एक बैठक का प्रस्ताव रखा। बोम्मई और सीतारमण के बीच हुई इस मुलाकात के दौरान कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री गोविंद करजोल, संस्कृति एवं कन्नड़ मंत्री वी सुनील कुमार और मुख्य सचिव पी रवि कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले बोम्मई ने भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

विधवा मां की मंजूरी के बिना विवाहित बेटी को नहीं दी जा सकती अनुकंपा नियुक्ति : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने साफ कहा है कि विधवा मां की मंजूरी के बगैर विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। इस तरह, कोर्ट ने विवाहित बेटी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने जीवित मां की मंजूरी के बिना अपने मृत पिता के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। बेटी का अपनी मां और भाई के साथ संपत्ति विवाद चल रहा है। मां ने बेटे को अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए अपनी स्वीकृति दी थी, लेकिन वह अनफिट पाया गया। इसके बाद बेटी ने आवेदन कर दिया। हालांकि, अधिकारियों ने उसके आवेदन को यह कहकर ठुकरा दिया क्योंकि मां ने उसके नाम पर मंजूरी नहीं दी थी। विवाहित बेटी की तरफ से पेश वकील दुष्यंत पाराशर ने कहा कि 2021 में शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि विवाहित बेटियां भी अनुकंपा नियुक्ति पाने की हकदार हैं। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति सीटी रवि कुमार की पीठ ने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस (अराजपत्रित) सेवा नियम 1997 का नियम 2.2 स्पष्ट रूप से कहता है कि नौकरी पाने वाले शख्स को मृतक सरकारी कर्मचारी या उत्तरजीवी माता-पिता की अनुमति आवश्यक है। इस मामले में याचिकाकर्ता का नाम उसकी मां की ओर से मंजूर नहीं किया गया है और इसका कारण वही बेहतर जानती हैं। याचिकाकर्ता के प्रश्न का उत्तर नियम 2.2 में दिया गया है, इस पर न्यायालय की ओर से और विचार करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता दुष्यंत पाराशर की इस दलील पर गौर किया कि वह मृतक सरकारी कर्मचारी की विवाहित बेटी है, हालांकि विधवा (याचिकाकर्ता की मां) की मंजूरी नहीं है । फिर भी, उसे स्वतंत्र तौर पर अधिकार है कि नियमों की मौजूदा योजना के तहत अनुकंपा नियुक्ति के लिए उसके नाम पर विचार किया जाए।

उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य बनाने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में विकास और समृद्धि को गति देने मुखे यमंत्री योगी आदिते यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ 100 दिन की कार्ययोजना पर मंथन किया और कहा कि हमारे समक्ष उत्तर प्रदेश को देश का नंबर एक राज्य और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। योगी की अध्यक्षता में मंगलवार की देर शाम लोक भवन में दोनों उप मुखे यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत मंत्रिमंडल के सहयोगियों के समक्ष शासन की 100 दिन की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण मुखे य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने किया। यहां जारी सरकारी बयान के अनुसार इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन के सभी विभागों को 10 सेक्टर में विभाजित कर लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्ययोजना तैयार की जाए तथा एक सप्ताह बाद इनका प्रस्तुतीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लक्ष्यों को तय करते समय व्यावहारिक और आर्थिक पहलुओं का भी ध्यान रखा जाए। राज्य में विकास और समृद्धि की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि सभी विभाग 100 दिन, छह माह एवं वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए विस्तृत एवं व्यवहारिक कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कार्य योजना के माधे यम से लोक कल्याण संकल्प पत्र-2022 (विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र) के बिंदुओं एवं भारत सरकार की योजनाओं को भी आगे बढ़ाने पर बल दिया। योगी ने कहा कि लोगों के जीवन को सहज और सरल बनाने के साथ जीवन स्तर में सुधार लाने वाली योजनाओं जैसे एक जिला-एक उते पाद, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और से वामिते व योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए ऑनलाइन व्यवस्था विकसित किये जाने पर जोर दिया। सुरक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, नगरीय विकास, पर्यटन एवं संस्कृति, शिक्षा, राजस्व संग्रह एवं अन्य सेक्टर में विभक्त किया गया है।

संसद में मोदी से मिले शरद पवार, करीब 20 मिनट चली मुलाकात...सियासी गलियारे में हलचल

एजेंसी ।

रकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बुधवार को मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री दफ्तर (क्ष्ह्ह) में दोपहर 12.20 से 12.40 बजे यानि करीब 20 मिनट तक चली। दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई, अभी इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मोदी और शरद पवार की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय प्रवर्तन निदेशालय प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने महाराष्ट्र के कई नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। शिवसेना नेता संजय राउत पर भी श्वष्ठ की कार्रवाई चल रही है।

शरद पवार के डिनर में पहुंचे कई नेता

मंगलवार को शरद पवार के आवास पर रात्रिभोज का आयोजन किया था। इस रात्रिभोज में तमाम पार्टियों के नेता मौजूद रहे, जिसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल हुए।

राज्यसभा में कांग्रेस आप पर बरसे अमित शाह

नई दिल्ली । राज्यसभा में दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल पेश करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस पर जमकर बरसे। कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जो लोग हमें सत्ता का भूखा कह रहे हैं उन्हें खुद का चेहरा आईने में देख लेना चाहिए। अमित शाह यही नहीं रुके। उन्होंने कहा-वो कांग्रेस पार्टी जिसने आपातकाल लगाया, सारे लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए, बिना कारण विपक्षी नेताओं क जेल में डलवा दिया, प्रेस पर पाबंदी लगा दी, यहां तक की किशोर कुमार के गानों पर भी रोक लगा दी वो आज लोकतंत्र की दुहाई दे रही है? दरअसल राज्यसभा में विपक्ष ने दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल लाने के लिए सरकार की संवैधानिक क्षमता पर सवाल उठाया था जिसके जवाब में अमित शाह ने ये बात कही। इससे पहले अमित शाह ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार तीनों नगर निगमों के साथ सौतेली मां जैसा व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि तीनों नगर निगमों को एक करने के पीछे का कारण नीतियों और संसाधनों में आ रही कमियों को दूर करना है जिससे जनता को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिल सके। गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम (संशोधन) बिल, 2022 को लोकसभा से पहले ही पास कराया जा चुका है। दिल्ली में होने वाले नगर निगम चुनाव से पहले तीनों नगर निगमों को मिलाकर एक करने का फैसला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आम आदमी पार्टी आरोप लगा रही है कि बीजेपी नगर निगम चुनाव में अपनी हार को देखते हुए ।

दामिनी ऐप को 5 लाख लोगों ने किया डाउनलोड, बिजली गिरने से पहले देता है चेतावनी

एजेंसी । पुणे के भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान द्वारा विकसित किया गया दामिनी आकाशीय बिजली ऐप किसी भी स्थान पर बिजली गिरने की चेतावनी 40 मिनट पूर्व दे देता है और अब तक पांच लाख से अधिक लोग इस मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं। यह जानकारी सरकार ने बुधवार को लोकसभा में दी। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक लिखित उत्तर में लोकसभा में कहा कि ''दामिनी ऐप किसी स्थान पर आकाशीय बिजली की चेतावनी भी प्रदान करता है। यह चेतावनी 40 मिनट के लिए मान्य होती है। उन्होंने कहा कि भारत में दामिनी ऐप को पांच लाख से ज्यादा लोग डाउनलोड कर चुके हैं। मंत्री ने बताया कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग के माध्यम से, नियमित अपडेटस के साथ-साथ पांच दिन पहले गरज के साथ तूफान और संबंधित मौसम घटनाओं के लिए पूर्वानुमान और चेतावनियां जारी करता है। उन्होंने बताया कि देश में रणनीतिक रूप से चयनित 83 स्थानों पर संस्थापित संकेत संग्रह एवं प्रेषण सुविधाओं के लिए एक आकाशीय बिजली अवस्थिति नेटवर्क स्थापित किया है। इस नेटवर्क की केंद्रीय प्रसंस्करण सुविधा में है।

कोविड प्रोटोकॉल लागू करने का जिनका दायित्व है उन्हें इसका सख्त अनुपालन करना चाहिए: उच्च न्यायालय

एजेंसी । दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन उन्हें 'ज्यादा सख्ती से करना चाहिए और उदाहरण पेश करना चाहिए, जिन्हें इसे लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अदालत ने कहा कि यह जरूरी है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संभाल रहे लोगों समेत कर कोई हर समय इन प्रोटोकॉल का पालन करें। अदालत एक अधिवक्ता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में, कोविड दिशा-निर्देशों का कथित रूप से उल्लंघन करने वाले और गृह मंत्रालय एवं दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के कई आदेशों के बावजूद समाज में (कोविड) सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं कराने वाले दिल्ली पुलिस के ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि नौ अगस्त 2021 को तड़के सदर बाजार थाने में तैनात दो पुलिसकर्मी बिना मास्क और हेलमेट लगाए सरकारी वाहन (मोटरसाइकिल) पर गश्त कर रहे थे और इन पुलिस कर्मियों ने उनके तथा उनके रिश्तेदारों के साथ कथित रूप से बदसलूकी की तथा अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

आईपीसीसी की रिपोर्ट में कोलकाता का जिक्र किया गया

कोलकाता । जलवायु परिवर्तन को कम करने पर संयुक्त राष्ट्र के पैनल की ताजा रिपोर्ट में भारतीय महानगरों में निजी के बजाय सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को तवज्जो दिए जाने के संबंध में कोलकाता का जिक्र किया गया है। परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कोलकाता में शहरी आवागमन प्रणाली संबंधी बदलाव सामाजिक-तकनीकी परिवर्तन के लिए संस्थागत एवं सामाजिक-सांस्कृतिक वाहकों और परस्पर नीति को दर्शाता है। इसने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के 12 अलग-अलग माध्यम हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी प्रणाली संरचना है और ये शहर के एक करोड़ 40 लाख नागरिकों को आवागमन का साधन प्रदान करते हैं। आईपीसीसी की जारी रिपोर्ट में कहा गया कि आवागमन से सार्वजनिक साधनों में कुछ लोगों की बैठने की व्यवस्था वाले रिक्शा से लेकर सैकड़ों लोगों के बैठने की व्यवस्था वाली मेट्रो या उपनगरीय ट्रेन शामिल हैं। आईपीसीसी की रिपोर्ट में 2016 की एक पत्रिका का हवाला देते हुए कहा गया है कि सार्वजनिक महानगरीय क्षेत्र में करने में सकारात्मक योगदान दिया है।

पिता अहमद पटेल थे कांग्रेस के संकटमोचक, बेटे फैसल बढ़ाने जा रहे संकट

एजेंसी ।

गुजरात से आने वाले अहमद पटेल को सोनिया गांधी का करीबी और कांग्रेस का संकटमोचक समझा जाता था। लेकिन अब अहमद पटेल के निधन के बाद उनके बेटे फैसल पटेल ही कांग्रेस का संकट बढ़ाते दिख रहे हैं। दरअसल कांग्रेस के दिग्गज नेता दिवंगत अहमद पटेल के पुत्र फैसल पटेल ने पार्टी से अलग विकल्प तलाशने का संकेत देने के एक दिन बाद, बुधवार को अपने रुख में बदलाव करते हुए कहा कि उनके कहने का मतलब यह भी था कि वह सार्वजनिक जीवन को हमेशा के लिए अलविदा कहने के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''अपने विकल्प खुले रखने का मतलब यह भी हो सकता है कि मैं सार्वजनिक जीवन को हमेशा के लिए छोड़ने पर विचार कर रहा हूं। बिना किसी स्वीकार्यता के गरीबों और जरूरतमंद लोगों की मदद करके तथा काम करके थक गया हूं। इससे एक दिन पहले, फैसल ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कहा था कि वह इंतजार करते हुए थक चुके हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व की तरफ से कोई उत्साह नजर नहीं आ रहा है और ऐसे में उन्होंने अपने विकल्प खुले रखे हैं। मूल रूप से गुजरात से ताल्लुक रखने वाले फैसल पटेल ने राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले यह टिप्पणी की। फैसल ने पिछले साल अप्रैल में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात भी की थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात भी की थी। लंबे समय तक कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार और पार्टी के संकटमोचक रहे अहमद पटेल का कोविड संक्रमण के बाद हुई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के चलते 25 नवंबर, 2020 को निधन हो गया था।

यूक्रेन और रूस के संघर्ष के पूरी तरह खिलाफ है भारत, हमने शांति का पक्ष चुना: जयशंकर

एजेंसी । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यूक्रेन की स्थिति पर लोकसभा में कहा कि भारत संघर्ष के पूरी तरह से खिलाफ है और तत्काल हिंसा समाप्त करने के पक्ष में हैं तथा इस मुद्दे पर उसने कोई पक्ष चुना है तो वह शांति का पक्ष है। नियम 193 के तहत निचने सदन में यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए जयशंकर ने कहा, ''भारत का रुख राष्ट्रीय विश्वास एवं मूल्यों, राष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय रणनीति के तहत निर्देशित है। हम संघर्ष के पूरी तरह से खिलाफ हैं। हम मानते हैं कि हिंसा एवं निर्दोष लोगों के जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकल सकता। संवाद और कूटनीति ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में हमारा मानना है कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों तथा सभी की क्षेत्रीय अखंडता एवं सम्प्रभुता का सम्मान करना चाहिए। यूक्रेन की स्थिति के संदर्भ में विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत ने अगर कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। हम तत्काल हिंसा समाप्त करने के पक्ष में हैं। यह रुख संयुक्त राष्ट्र सहित सभी मंचों पर हमने रेखांकित किया है। यूक्रेन के बुका में काफी संख्या में शव मिलने से जुड़ी घटना पर जयशंकर ने कहा, '' हम इस रिपोर्ट से काफी परेशान हैं। हम इन हत्याओं की निंदा करते हैं। हम इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने के आह्वान का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की स्थिति का भारत और दुनिया के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ रहा है और हम इस पर ध्यान दे रहे हैं। विदेश मंत्री ने चर्चा में कुछ विपक्षी सदस्यों की टिप्पणियों के परोक्ष संदर्भ में यह भी कहा कि यूक्रेन की स्थिति के संबंध में भारत के कदमों को राजनीतिक रंग देने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। विदेश मंत्री ने कहा, ''हम ने रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपति स्तर से लेकर हर स्तर पर संवाद किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं बात की। उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को हमारा यही संदेश था कि भारत शांति के लिए कोई भी मदद दे सकता है तो इसके लिये तैयार है।

सोनिया ने मोदी सरकार को सुनाई खूब खरी-खरी, लेकिन कांग्रेस में बदलाव पर कुछ नहीं कह सकी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकारों की उपलब्धियों का बखान किया, वहीं मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की खामियां भी गिना दी। संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की बैठक में सोनिया ने मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून, गुटनिरपेक्षता की नीति का जिक्र करते हुए कांग्रेस सरकारों की पीठ थपथपाकर दावा किया कि मोदी सरकार में जांच एजेंसियों के दुरुपयोग से विपक्षी दलों को दबाया जा रहा है। सोनिया ने कहा कि बीजेपी जानबूझकर देश का सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द्र खत्म कर रही है। सोनिया गांधी ने कांग्रेस संगठन की कमजोरी पर भी चिंता जताकर कहा कि पार्टी की मजबूती समाज और लोकतंत्र के लिए जरूरी है। कुल मिलाकर कहें, तब सोनिया ने समस्याओं का भरपूर जिक्र किया, लेकिन कोई समाधान पेश नहीं कर सकीं। बात कांग्रेस को मजबूत करने की हो या फिर बीजेपी की कथित मनमानी पर लगाम लगाने की, क्या और कैसे किया जाए, सोनिया कोई रोडमैप नहीं दे सकीं।

सोनिया गांधी ने कहा, हमारा फिर से मजबूत होना सिर्फ हमारे लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र और समाज के लिए भी जरूरी है। बैठक में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य सांसद शामिल हुए। सोनिया ने कहा कि पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में हार से कांग्रेस नेताओं में किस हद तक मायूसी है, उन्हें इसका अंदाजा है।

लेकिन, इस मायूसी को उत्साह में कैसे बदला जाए, इसके लिए सोनिया के पास कोई खाका नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि चिंतन शिविर आयोजित किया जाना चाहिए।

भाजपा नेताओं के बयान पर जेडीयू की प्रतिक्रिया, नीतिश को लेकर कोई समझौता नहीं

पटना ।

क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली की राजनीति में जाएंगे? फिर कौन बनेगा अगला मुख्ये यमंत्री? इन दिनों इसतरह के कई सवाल बिहार की राजनीति में चर्चा में हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि नीतीश अभी मुख्यमंत्री हैं, 2025 के बाद रहने वाले हैं, या नहीं, यह पता नहीं है। ऐसा ही बयान बुधवार को उपमुख्ये यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने भी दिया है। अन्ये य कई बीजेपी नेताओं ने भी पहले इसतरह के बयान दिए हैं। इसपर जनता दल यूनाइटेड की तरफ से प्रतिक्रिया आई है। जेडीयू नेता व बिहार सरकार में मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार को लेकर पार्टी कोई समझौता नहीं कर सकती है। जब तक नीतीश कुमार हैं, तब तक ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) है। विदित हो कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा था कि अभी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं, लेकिन 2025 के बाद रहने वाले हैं, या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। इसपर प्रतिक्रिया देकर मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव में गया था और जीत भी नीतीश कुमार के नाम पर ही मिली है। इस जनादेश से समझौता का सवाल ही नहीं है। अगर कोई जनादेश का पालन नहीं करेगा, तब जेडीयू अपना फैसला करने के लिए स्वतंत्र है। हर पार्टी को अपना-अपना फैसला करने का अधिकार है। मंत्री बिजेंद्र ने कहा बिहार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में बड़ा विकास किया है। साथ ही जेडीयू ने अपनी नीतियों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया है। सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया है। इसकारण नीतीश के नेतृत्व तथा जेडीयू की नीतियों और नीयत पर कोई सवाल नहीं कर सकता है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता व मंत्री ने बयानों से जनादेश को अपमानित नहीं करने की चेतावनी भी दे डाली। कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रूस-यूकेन युद्ध के बीच भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी

नई दिल्ली । रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के मजबूत स्वतंत्र रुख ने उस बिना किसी वैश्विक दबाव के अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने की अनुमति दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध की ओर इशारा कर पीएम मोदी ने कहा, उस समय में जब दुनिया दो खेमों में विभाजित है। भारत मानवता के लिए एक स्वतंत्र रुख अपना सकता है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सबसे आगे रखा है।÷पीएम मोदी ने भाजपा के 42 वें स्थापना दिवस पर कहा, इस साल का स्थापना दिवस तीन कारणों से बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। पहला हम स्वतंत्रता के 75 वर्ष मना रहे हैं। यह प्रेरणा का एक प्रमुख अवसर है। दूसरा, तेजी से बदलती वैश्विक स्थिति। भारत के लिए लगातार नए अवसर सामने आ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा यह भारत की आजादी के 75वें वर्ष का अमृतकल है। इसकारण हमें स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पैमाने पर ले जाने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस दिशा में काम करते हुए भाजपा अपने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्श वाक्य को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में 400 अरब अमेरिकी डॉलर के अपने निर्यात लक्ष्य को पूरा किया है। पीएम मोदी ने कहा, महामारी के बीच यह उपलब्धि भारत की बेहतर क्षमताओं को दर्शाती है। पीएम ने कहा कि भारत 100 साल में सबसे बड़े वैश्विक खतरे के बीच समाज के गरीब तबके के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है।

महाविकास अघाड़ी गठबंधन में फुट, उद्धव सरकार से अलग हुई स्वाभिमानी पक्ष

मुंबई । स्वाभिमानी पक्ष पार्टी ने महाविकास अघाड़ी के साथ नाता तोड़ लिया है। इसके नेता राजू शेट्टी ने पार्टी के पदाधिकारियों के साथ दिन भर के विचार-विमर्श के बाद इसकी घोषणा की। शेट्टी ने कहा कि अब से स्वाभिमानी पक्ष और एमवीए के बीच किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं है। शेट्टी ने हाल ही में अपनी पार्टी के एकमात्र विधायक देवेंद्र भुयार को संगठन से निष्कासित कर दिया था। उन्होंने कहा था कि 2019 के चुनावों के परिणाम के बाद से भुयार राकांपा नेताओं के साथ मिल रहे थे और उन्हें स्वाभिमानी पक्ष के मंच पर कभी नहीं देखा गया था। पार्टी अधिवेशन में बोलते हुए शेट्टी ने कहा किसानों का हित एमवीए द्वारा तय किए गए न्यूनतम साझा कार्यक्रम का केंद्र बिंदु था। मेरी पार्टी भी इसका हिस्सा थी। हालांकि, पिछले ढाई वर्षों में, हमें बाढ़ के नुकसान के लिए उचित मुआवजे की मांग के लिए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध करना पड़ा। हमें किसानों को भूमि अधिग्रहण मुआवजे को कम करने के सरकार के फैसले का विरोध करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि हर मुद्दे पर एमवीए सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा इसलिए, मैं एमवीए के साथ सभी संबंधों को तोड़ने की घोषणा करता हूं। इसके बाद, हम खेतों का दौरा करेंगे, किसानों से मिलेंगे ।

प्रभु श्रीराम और निषादराज गुह्य की मित्रता बेमिसाल : जितेन्द्र

संवाददाता सूरत भूमि, बरहज, देवरिया । मछुआरा समाज ने चैत्र शुक्ल पंचमी को बस स्टैंड स्थित विजय कटरा में श्रृंगवेरपुर के राजा निषादराज गुह्य की जयंती धूमधाम से मनाई गई ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा मछुआरा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सह संयोजक निषाद जितेन्द्र भारत ने कहा कि प्रभु श्री राम और निषादराज गुह्य की मित्रता अपने आप में बेमिसाल है, जो सामाजिक समरसता की एक अद्भुत मिसाल पेश करती हैं। जिस भाव से प्रभु श्रीराम ने निषाद राज के मित्रता की श्रेष्ठता अपने जीवन में सिद्ध की थी और निषादराज ने भी भगवान श्री राम के विषम परिस्थितियों में मित्रवत धर्म निभाया था। उसी तरह से प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी ने श्रृंगवेरपुर में 33 करोड़ की लागत से उनका भव्य स्मारक बनवाने की शुरुआत करके निषादों के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया । श्री भारत ने कहा कि अब सरकार को भी चाहिए कि निषाद समाज के नैसर्गिक अधिकार आरक्षण को शीघ्र मुहैया कराये , ताकि काफी हद तक अतिपिछड़े और सुविधाओं से वंचित निषाद समाज को उनका हक अधिकार मिल सके । पूर्व क्षेत्रीय सह संयोजक चिंतामणि साहनी ने कहा कि प्रभु राम की नैया पार कराने वाला यह समाज हमेशा दूसरों के लिए जीता हैं। इसीलिए समाज में इनकी अलग पहचान बनी हुई हैं।

अर्जुन जायसवाल व राममिलन सिंह ने कहा कि मित्रता निभाने की सीख जो हमें निषादराज से मिली वह आज भी अनुकरणीय हैं। आज भी यह समाज मित्रता के निर्वहन के लिए किसी हद तक जाता हुआ दिखाई पड़ता हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज प्रसाद निषाद और संचालन नंदलाल निषाद ने किया । इस दौरान विजय निषाद, मुक्तिनाथ निषाद, जगदीश जायसवाल, महेंद्र शर्मा, धर्मचंद जायसवाल, अरविंद साहनी, दीपक निषाद, बृजमोहन साहनी आदि मौजूद रहें ।

सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को किया गिरफ्तार

मुंबई ।

सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया है। देशमुख के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में यह गिरफ्तार हुई है। इसके पहले, एजेंसी ने देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे और सचिव संजीव पलांडे और बर्खास्त सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे को हिरासत में लिया था। बता दें कि हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने देशमुख की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस डेरे ने निर्देश दिया कि याचिका को दूसरी पीठ के समक्ष रखा जाए। देशमुख ने विशेष सीबीआई अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कथित भ्रष्टाचार के मांग करने वाले सीबीआई के आवेदन को अनुमति दी गई थी। एक मामले में उनकी हिरासत की मांग करने वाले सीबीआई के आवेदन को अनुमति दी गई थी। सीबीआई ने आरोप लगाया कि देशमुख जानबूझकर एजेंसी की हिरासत से बचने की कोशिश कर रहे थे। इसकारण उन्होंने खुद को अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को शहर के रेस्तरां और बार से हर महीने 100 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य दिया था। वहीं देशमुख ने इन आरोपों को खारिज किया था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश देने के बाद पिछले साल अप्रैल में राज्य कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

रेलवे अंडर ब्रिज में जल-जमाव की समस्या को खत्म करने में जुटा रेल मंत्रालय

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि जल-जमाव एवं अन्य समस्याओं को देखकर देश में रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को यथासंभव रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) में परिवर्तित करने का प्रयास कर रही है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान दुलाल चंद गोस्वामी, उदय प्रताप सिंह ने पूरक प्रश्न पूछकर देशभर के रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) में जल-जमाव की समस्या को उठाया और सरकार से इस पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की। इसपर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि देश में विभिन्न क्षेत्रों से रेलवे अंडर ब्रिज में जल-जमाव की समस्या का विषय सामने आया है। इस विषय पर रेलवे ने देशभर से हमारे चीफ इंजीनियरों की कार्यशाला आयोजित कर विभिन्न विकल्पों पर विचार किया था। उन्होंने कहा कि विषय पर चार विकल्पों पर काम चल रहा है,जिसमें पम्पिंग के द्वारा पानी निकालने की व्यवस्था, इसके डिजाइन में बदलाव, आरयूबी को चौड़ा करना तथा अधिक से अधिक आरयूबी को आरओबी में बदलना शामिल है। उन्होंने कहा कि दूर-दराज के इलाकों में कितना भी प्रयास करें, आरयूबी में जल-जमाव की समस्या रहेगी। वैष्णव ने कहा, रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को यथासंभव रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) में परिवर्तित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरओबी का खर्च अधिक आता है, लेकिन इस दिशा में प्रयास हो रहा है। रेलमंत्री ने कहा कि एक आरयूबी के निर्माण पर 1-2 करोड़ रूपये खर्च आता है ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 लाख रूपये से अधिक की विकास परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय।

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में 50 लाख रूपये से अधिक की विकास परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कृषक कल्याण केन्द्र, आयुर्वेदीक महाविद्यालय हण्डिया, तरणताल का जीर्णोद्धार, हेल्थ वेयरनेस सेंटर का निर्माण कार्य, पालीटेक्निक जसरा, अग्निशमन केन्द्र कोरांव, युनानी मेडिकल कालेज, राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद, विधि विज्ञानशाला फाफामऊ, निषादराज पार्क का निर्माण, विकास खण्ड जसरा में मिनी स्टेडियम, सीएससी कोटवा का निर्माण कार्य, टीबी सप्रू के उच्चीकरण, कोरांव में आवासीय भवन के निर्माण कार्य, सोरांव में आईटीआई के निर्माण कार्य, लाक्षागृह, राष्ट्रीय महिला विश्वविद्यालय फूलपुर, फाफामऊ पॉलिटेक्निक, खेलगांव, रज्जू भईया, यूनिवर्सिटी में कराये जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने श्रृंगवेरपुर, सहसों एवं फूलपुर में कृषक कल्याण केन्द्र के कार्य को तेजी से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने हेल्थ वेयरनेस सेंटरों के निर्माण कार्य में जमीन की उपलब्धता को जल्द से जल्द सुनिश्चित करा लेने के लिए कहा साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने पर स्वास्थ्य विभाग के एई अवधेश गुप्ता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के लिए कहा है, इसके साथ ही इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी बनाए गये डॉ0 अशोक कुमार को स्पष्टीकरण तलब किया। लाक्षागृह के निर्माण कार्य में भी देरी पर नाराजगी जताते हुए कार्य को जल्द से पूरा कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सेतु निगम के अधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में जिस भी वजह से कोई रूकावट आ रही है, तो उसकी सूची हमें उपलब्ध करायें, जिससे की जल्द से जल्द इन रूकावटों को दूर कर कार्य को पूरा कराया जा सके। राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराये जा रहे विधि विज्ञानशाला फाफामऊ, कोरांव में आईटीआई का निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी के अधिकारियों से कहा कि जिस कार्य के लिए बजट उपलब्ध है, उस कार्य को समय से पूरा करायें। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया करते हुए कहा कि मैनपॉवर को बढ़ाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करायें। जिलाधिकारी ने पूरे हो चुके निर्माण कार्यों में इलेक्ट्रिक से सम्बंधित कार्य नहीं हुआ है, तो उसकी सूची बनाकर हमें उपलब्ध करायें। उन्होंने सभी संस्थाओं को लक्ष्य तय करके कार्य को करने को कहा है साथ ही सभी संस्थायें अपने मानीटरिंग आफिसर तय कर लें और उन्हें टीम बनाने की जिम्मेदारी देते हुए निर्माण कार्यों की मानीटरिंग करायें साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाये। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से जुड़े हुए कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास की लिस्ट बनाकर उपलब्ध करायें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कैलाश मानसरोवर सड़क के लिए 650 करोड़ रुपये मंजूर करेगा केंद्र

नई दिल्ली । नेपाल या चीन के बजाय उत्तराखंड के रास्ते कैलाश मानसरोवर की यात्रा को सक्षम बनाने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही 650 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजान को मंजूरी देगा। केंद्र सरकार भारत-चीन सीमा संपर्क सड़क के अंतिम खंड के लिए काम शुरू करने के लिए तैयार है जो कैलाश मानसरोवर को जोड़ने की सुविधा प्रदान करेगी। उत्तराखंड से यह लिंक रोड वाहनों को तीर्थ स्थल से सिर्फ 75 किमी दूर तक ड्राइव करने की अनुमति देगा। सरकार परियोजना पर काम में तेजी लाने के लिए लगी हुई है। केंद्र मशीनीकृत निर्माण लाने के लिए एलएंडटी से लेकर टाटा समूह की टॉप कंस्ट्रक्शन कंपनियों और ठेकेदारों को शामिल करने की तैयारी कर रहा है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पहले ही शीर्ष फर्मों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम पूरा कर लिया गया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने अस्कोट से भारत-चीन सीमा तक पूरे 150 किलोमीटर लिंक का रोड फॉर्मेशन पूरा कर लिया है। रोड फॉर्मेशन में भौगोलिक और भूभाग की चुनौतियों के अलावा उसकी शेप को तय करना शामिल है जिस पर सड़क बनेगी। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को बीआरओ ने दुर्गम हिमालयी इलाके में सफलतापूर्वक पूरा किया। इस मामले में सबसे कठिन हिस्सा रोड फॉर्मेशन था। अब रोड फॉर्मेशन के साथ, रोड बनना शुरू हो जाएगा। केंद्र द्वारा जल्द ही इसकी मंजूरी दी जाएगी। हम पूरे दो लेन सड़क राजमार्ग को 2-3 साल के भीतर पूरा करने की उम्मीद करते हैं।÷ एक बार पूरी सड़क बन जाने के बाद उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से भारत चीन सीमा तक 5-6 घंटे में पहुंचा जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि वहां से साइट पर पहुंचने में करीब दो घंटे का समय लगेगा। वर्तमान में दो से तीन हफ्ते में कैलाश मानसरोवर पहुंच सकते हैं। सिक्किम या नेपाल के माध्यम से हैं।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल ने वादा नहीं किया पूरा, मान की कोठी के बाहर भूख हड़ताल पर बैठा युवक

संगरूर । पंजाब में गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी की घटना को लेकर संगरूर शहर का नौजवान मुख्यमंत्री भगवंत मान की कोठी के आगे भूख हड़ताल पर बैठ गया। प्रीत शर्मा ने बताया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले सीएम केजरीवाल ने कहा था यदि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है,तब 24 घंटों में बेअदबी करने वालों को जेलों में बंद किया जाएगा। अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन चुकी है और लगभग 240 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है। प्रीत ने कहा कि गुरू ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वाले आरोपियों को पकड़ना दूर की बात आम आदमी पार्टी के 92 विधायकों में से एक भी विधायक ने बेअदबी का मुद्दा नहीं उठाया है। इसकारण आज वह भूख हड़ताल पर बैठने के लिए मजबूर हैं। प्रीत ने कहा कि जब तक उसके शरीर में जान है तब तक वह भूख हड़ताल पर बैठा रहेगा। उसने कहा कि आम आदमी पार्टी अब खास पार्टी बन चुकी है, तभी वहां वह पंजाब के लोगों के साथ झूठे वादे कर सत्ता का आनंद ले रही है।

पंजाब में पूर्व कांग्रेस विधायक ने कांग्रेस पार्टी के प्रधान जाखड़ के खिलाफ खोला मोर्चा

अमृतसर । पूर्व विधायक डॉक्टर राज कुमार वेरका की ओर से कांग्रेस पार्टी के प्रधान सुनील जाखड़ को सख्त शब्दों में चेतावनी दी है। डॉ.वेरका ने कहा कि सुनील जाखड़ की तरफ से दलितों के खिलाफ गलत शब्दावली का प्रयोग किया गया है, इसकारण जाखड़ को बाबा साहेब अम्बेडकर जी के दलित समाज से माफी मांगनी चाहिए। इस मौके पर वेरका ने कहा कि जाखड़ ने घटिया शब्दों का इस्तेमाल किया है, क्या आपका मानसिकता संतुलन खराब हो गया है, क्या आपकी इंसानियत मर चुकी है। यदि आप घटिया शब्दावली की तत्काल तौर पर माफी मांगें नहीं,तब आपके खिलाफ कांग्रेस हाईकमान को कहकर कांग्रेस पार्टी में से बाहर निकालने के लिए कहा जाएगा अगर कांग्रेस हाईकमान इसको नहीं कुछ कहती तब जाखड़ के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होगी।

नवरात्रि के दौरान मीट बैन पर भड़की टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली। नवरात्रि के दौरान मीट दुकानों पर बैन लगने के बाद तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने इसकी आलोचना की। मोइत्रा ने लिखा कि मैं साउथ दिल्ली में रहती हूं। संविधान मुझे अनुमति देता है, कि मैं जब चाहूं मांस खा सकती हूं और दुकानदार को अपना व्यापार चलाने की आजादी देता है। बता दें कि साउथ दिल्ली के मेयर मुकेश सूर्यन ने घोषणा की थी कि देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की शुभ अवधि के दौरान उनके नागरिक निकाय के तहत मांस की दुकानें बंद कर दी जानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भक्त इन 9 दिनों के दौरान मांस, प्याज और लहसुन खाने से बचते हैं। उन्होंने दावा किया था कि शिकायतों के बाद निर्णय लिया गया और यह किसी की स्वतंत्रता का उल्लंघन नहीं करता है। दक्षिण दिल्ली नगर निगम के मेयर ने कहा कि हम सभी मांस की दुकानों को सख्ती से बंद कर देने वाले हैं, जब मांस नहीं बेचा जाएगा, तब लोग इस नहीं खाएंगे। सूर्यन ने कहा कि हमने दिल्लीवासियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।

बिक्रम मजीठिया सुरक्षा मामलाः पटियाला जेल प्रशासन ने कोर्ट में जवाब किया दाखिल

मोहाली । अकाली नेता बिक्रम मजीठिया इनदिनों जेल में बंद है, इस लेकर मोहाली कोर्ट में बुधवार को सुनवाई जारी है। इस सुनवाई दौरान मजीठिया की पत्नी गुनीव कौर भी कोर्ट में पहुंची है। इस बीच बिक्रम मजीठिया को लेकर पटियाला जेल प्रशासन की ओर से एक अहम खबर सामने आई है, कि जेल प्रशासन ने कोर्ट में जवाब दाखिल कर कहा कि जेल में सब कुछ ठीक है। मजीठिया की जान को कोई भी खतरा नहीं है। मजीठिया द्वारा खतरे को लेकर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद है। मजीठिया की मांग थी कि उस पुरानी बैरक में शिफ्ट किया जाए। बता दें कि एन.डी.पी.एस.एक्ट के तहत दर्ज मामले में केंद्रीय जेल पटियाला में बंद अकाली नेता मजीठिया ने अदालत में पेशी के दौरान बताया कि वह जेल में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें जेल में बंद गैंगस्टरों और आतंकवादियों से खतरा है। इस मामले पर मजीठिया के वकील ने कोर्ट में याचिका दर्ज की है।

रूस पर एक्शन नहीं ले सकते तो खुद को बंद कर दे संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर वे रूस पर एक्शन नहीं ले सकते हैं तो फिर उन्हें इस संस्था को बंद कर देना चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने से कहा कि रूसी बलों द्वारा की गई ज्यादतियां इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के कृत्यों से अलग नहीं हैं। उन्होंने रूसी बलों को ''युद्ध अपराध करने'' के मामले में न्याय के दायरे में लाने की खातिर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की। यूक्रेन में रूसी युद्ध अपराधों की इस्लामिक स्टेट (दाएश) से तुलना करते हुए, और नूर्नबर्ग की तर्ज पर एक न्यायाधिकरण के माध्यम से पूर्ण जवाबदेही की मांग करते हुए, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से एक वर्चुअल संबोधन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को या तो बंद कर देना चाहिए और खुद को भंग कर देना चाहिए या कठोर सुधार करना चाहिए और रूस को परिषद से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यूएन बातों से ज्यादा कुछ करना चाहता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने जनादेश को पूरा करना चाहता है तो उस यह करना चाहिए। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने पहले संबोधन में कहा, ''मैं रूसी बलों के कब्जे से हाल में मुक्त कराए गए एवं कीव के जो हुआ नहीं हो। रूसी बलों ने हमारे देश की सेवा करने वाले हर व्यक्ति की चुन-चुन कर और जानबूझकर हत्या की।

64 फीसदी पाकिस्तानी नहीं मानते इमरान को हटाने में अमेरिका का हाथ

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान में एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि 64 प्रतिशत पाकिस्तानी इस बात को सही नहीं मानते हैं कि इमरान सरकार को हटाने में अमेरिका का हाथ है। इमरान उनकी सरकार के खिलाफ नेशनल एसेंबली में अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के बाद से लगातार इसके पीछे अमेरिकी साजिश होने का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन इस सर्वेक्षण में लोगों ने सरकार की इस कहानी को खारिज कर दिया है और इमरान सरकार की पतन के लिए मुद्रास्फीति को मुख्य वजह बताया है। गैलप पाकिस्तान सर्वे में हालांकि मात्र 36 प्रतिशत लोगों ने माना है कि सरकार को गिराने के विपक्ष के प्रयास के पीछे अमेरिकी साजिश है। इस टेलीफोनिक सर्वेक्षण ने 03 से 04 अप्रैल तक 800 परिवारों की राय ली गई। सर्वे में जिन लोगों ने माना कि महंगाई सरकार को हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए विपक्ष के प्रेरणा स्रोत है, उनमें से 74 प्रतिशत सिंध से, 62 प्रतिशत पंजाब से और 59 प्रतिशत पाकिस्तान के कब्जेवाले कश्मीर के लोग शामिल हैं। एक अन्य सर्वेक्षण के लगभग 54 प्रतिशत लोगों ने पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) सरकार के साढ़े तीन साल के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की, जबकि 46 प्रतिशत लोगों ने संतोष जाहिर किया। सर्वे के मुताबिक 68 प्रतिशत लोगों ने नए चुनावों के लिए इमरान खान की कार्रवाई की सराहना की। सर्वे में 72 फीसदी लोगों ने अमेरिका को पाकिस्तान का दुश्मन और 28 फीसदी लोगों ने दोस्त बताया। वहीं, साढ़े तीन साल की अवधि के दौरान पीटीआई सरकार के कामकाज के सवाल पर 54 प्रतिशत लोगों ने इमरान खान के शासन के प्रति निराशा व्यक्त की जबकि 46 प्रतिशत ने कुछ हद तक संतोष व्यक्त किया। इमरान सरकार के प्रदर्शन से उच्च स्तर की संतुष्टि व्यक्त करने वालों में से 60 प्रतिशत पाकिस्तान के कब्जेवाले कश्मीर के लोग शामिल है, जबकि उसी प्रांत के 40 प्रतिशत लोगों ने इमरान सरकार के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की। वहीं, सिंध में 43 प्रतिशत लोगों ने इमरान खान के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन 57 प्रतिशत लोगों ने निराशा व्यक्त की। पंजाब के मामले में इमरान सरकार के कामकाज को 45 प्रतिशत लोगों ने सही माना, लेकिन 55 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की।

रुस-यूक्रेन जंग के बीच खाने के सामानों की कीमत में 45 प्रतिशत बढ़ी

मॉस्को ।

रूस में खाने के सामानों की कीमत में 45 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। इतना ही नहीं टेलीकॉम, मेडिकल, ऑटोमोबाइल, एग्रीकल्चर और इलेक्ट्रिकल प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी तेजी से बढ़ी है। इसकारण आम आदमी की कमर टूट गई है। आर्थिक पाबंदियों की वजह से रूसी मुद्रा रूबल की वैल्यू डॉलर की तुलना में 30 प्रतिशत तक नीचे आ गई। इसकारण रूस में खाने के सामानों की कीमत में 45 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई। जो ग्रॉसरी का सामान पहले 3,500 रुपये में मिल रहा था, अब वह 5,100 में मिल रहा है। पिछले दो सप्ताह में रूस में दूध की कीमतों में दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि कई सारे मॉल और दुकानों में लोगों के सामानों की खरीददारी तक पर पाबंदी लगाई जा रही है। रूस एक बड़ा इलेक्ट्रॉनिक मार्केट भी है, लेकिन प्रतिबंधों के कारण इलेक्ट्रॉनिक सामान की कीमतें भी 17 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। इस तरह लैपटॉप, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की कीमतें भी बढ़ी हैं। वहीं बताया जा रहा हैं कि मॉस्को के कैफे में इस्तेमाल होने वाले कुछ सामानों की कीमत में 300 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। ऑनलाइन भुगतान वाली सबसे बड़ी संस्था स्विफट से बाहर किए जाने के बाद रूस की इकोनॉमी घुटने पर आ गई है। इस वक्त एक डॉलर की तुलना में रूसी करेंसी 112 पर ट्रेड कर रही है। इसकारण रिजर्व बैंक ऑफ रूस ने 7.65 लाख रुपये से ज्यादा पैसे की निकासी पर पाबंदी लगा दी है। यही वजह है कि रूस में बैंकों और एटीएम के आगे लोगों की लंबी कतार लगी है। रूस में बिजनेस बंद करने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 59 हो गई हैं। इसमें फॉक्सवैगन, एपल, माइक्रोसॉफ्ट, टोयोटा, मैकडॉनल्ड्स, गूगल पे, सेमसंग पे आदि शामिल हैं।

रूसी सैनिकों की गोली से मालिक की हुई मौत, फिर भी कुत्ते ने मालिक को नहीं छोड़ा

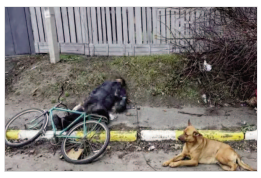

कीव ।

युद्ध के 41वें दिन भी यूक्रेन के शहरों पर रूस का हमला जारी है। इस बीच यूकेन के कीव से बड़ी भयावह तस्वीर सामने आ रही है जिसे देखकर शायद आप भी अपने आंसू रोक नहीं पाएंगे। इस तस्वीर में कुत्ता अपने मालिक के शरीर के बगल में बैठा हुआ है, जिसकी हत्या कर दी गई है। उस व्यक्ति को रूसी सेना ने गोली मार दी थी जिसके कारण उसकी मौत हो गई। इस तस्वीर को देखकर आपको हाचिको की कहानी याद आ जाएगी जिसमें एक जापानी कुत्ता शिबुया, तोक्यो में अपने मालिक की मृत्यु के बाद नौ साल तक इंतजार करता रहा और बाद में उसकी भी मौत हो गई। इस पर 2009 में हॉलीवुड फिल्म हाची ए डॉग्स टेल नाम से फिल्म बनाई गई थी जिसमें रिचर्ड गेरे ने रोल किया था। यूकेन की यह तस्वीर कीव के पास एक क्षेत्र से मिली है और यह अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस तस्वीर को यूकेनी पशु अधिकार संगठन, यूएनिमल्स द्वारा शेयर किया गया है। तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा गया है कि, कुत्ता मालिक को नहीं छोड़ता है, जिसे कीव के पास रूसी सेनाओं ने गोली मार दी थी। तस्वीर को देखते हुए यूजर ने कहा यह दिल तोड़ने वाली तस्वीर है, मुझे उम्मीद है कि कोई इस अनमोल जानवर को बचा लेगा। वहीं अन्य यूजर लिखते है कि, ऐसी दिल दहला देने वाली तस्वीर, मुझे उम्मीद है कि कोई इस कुत्ते को बचा ले और उसे खाना खिला दे।

व्हाइट हाउस में ओबामा ने बाइडेन को उपराष्ट्रपति कह कर बुलाया, फिर हंसकर बोले मजाक कर रहा था

वॉशिंगटन ।

जो बाइडेन के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पहली बार व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचे। व्हाइट हाउस में बराक ओबामा ने जो बाइडन के साथ अपने अफोर्डेबल केयर एक्ट (एसीए) के पारित होने का जश्न मनाया। जश्न के बाद दोनों नेता लंबे समय तक एक-दूसरे से बातचीत करते हुए नजर आए। अफोर्डेबल केयर एक्ट के पारित होने की घोषणा के बाद बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में ही प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बराक ओबामा ने जो बाइडेन को उपराष्ट्रपति कहकर संबोधित किया। बराक ओबामा द्वारा जो बाइडेन के उपराष्ट्रपति कहकर संबोधित किए जाने के बाद वहां पर मौजूद सभी लोग चौंक गए। हालांकि कुछ देर बाद ही दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बराक ओबामा ने बाइडेन को गले लगाया और कहा उन्होंने मजाक किया था। दरअसल जब बराक ओबामा अमेरिका के राष्ट्रपति थे, तब बाइडेन उपराष्ट्रपति थे। ओबामा का व्हाइट हाउस का दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब अधिनियम पारित होने के समय ओबामा के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यरत बाइडेन की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। बाइडेन की लोकप्रियता में यह गिरावट मध्यावधि चुनाव से पहले हो रही है, यह चुनाव अमेरिकी हाउस और सीनेट के स्वरूप का निर्धारण करेगा। यह चुनाव अमेरिकी हाउस और सीनेट के स्वरूप का निर्धारण करेगा। फिलहाल दोनों सदनों पर बहुत कम अंतर से डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि किसी भी सदन में हार से बाइडेन के विधाई एजेंडे पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। बाइडेन हाल के महीनों में पहले से ही एक कठिन लड़ाई का सामना कर रहे हैं। जबकि ओबामा अभी भी व्यापक रूप से लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति बने हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट कर रहा सियासी संकट पर सुनवाई

इस्लामाबाद । इमरान खान के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करना और संसद को भंग करने का फैसला सही था या नहीं इस पर पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट बुधवार को फिर सुनवाई कर रहा है। पाकिस्तान में राजनीतिक संकट बुधवार को अहम मोड़ ले सकता है। कोर्ट को यह तय करना है, कि इमरान के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करना और संसद को भंग करने का फैसला कितना सही था। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है, कि सुनवाई में हो रही देरी से ऐसा समझा जा रहा है कि कोर्ट इसमें देरी कर रहा है। कोर्ट को फैसला ना सुनाने का आरोपी बनाया जा रहा है। पीपल्स पार्टी के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर इमरान खान पर निशाना साधकर कहा कि पहले ये संसद से भागे, अब शायद सुप्रीम कोर्ट से भी भागेंगे और फिर याद रखना कि ये इलेक्शन से भी भागेंगे। पाकिस्तान के राजनीतिक संकट पर पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस ने कहा है कि वह आज इस केस पर फैसला देना चाहते हैं।

इमरान ने विपक्ष पर विदेशी आकाओं के कहने पर सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया

लाहौर । पाकिस्तान के निवर्तमान प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को अपने राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधा और उन पर विदेशी आकाओं के कहने पर उनकी सरकार के खिलाफ षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिका का स्पष्ट जिक्र करते हुए यह बात कही। इमरान खान ने यहां राज्यपाल के आवास पर अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कुछ सांसदों को भी फटकार लगाई। उन्होंने दावा किया कि इन सांसदों ने करोड़ों रुपये लेकर विपक्ष के साथ हाथ मिलाया था। उन्होंने कहा अगर कोई दुश्मन देश 23 से 30 लोगों (सांसदों) को 10 से 15 अरब पाकिस्तानी रुपए देकर खरीदता है, तो वह एक चुनी हुई उन्होंने कहा अगर कोई दुश्मन देश 23 से 30 लोगों (सांसदों) को 10 से 15 अरब पाकिस्तानी रुपए देकर खरीदता है, तो वह एक चुनी हुई सरकार को घर भेज सकता है। अगर आज भारत पाकिस्तान में एक सरकार को गिराने का फैसला करता है, तो वह सिर्फ 10 से 15 अरब पाकिस्तानी रुपए के साथ ऐसा कर सकता है।

आतंकवाद, सांप्रदायिक हिंसा के मद्देनजर पाक यात्रा से बचें, अमेरिका ने अपने नागरिकों को दिया सुझाव

वाशिंगटन । पाकिस्तान में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर अमेरिका ने परामर्श जारी कर अपने नागरिकों से आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने को कहा। विदेश विभाग ने अपने नवीनतम यात्रा परामर्श में पाकिस्तान को यात्रा के लिहाज से स्तर-3 पर रखा है। अमेरिका ने ताजा परामर्श में अपने नागरिकों को आतंकवाद और अपहरण के कारण बलूचिस्तान प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की यात्रा नहीं करने को कहा। अमेरिका ने अपने नागरिकों से आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की आशंका के मद्देनजर नियंत्रण रेखा से बिल्कुल सटे इलाकों की यात्रा नहीं करने का भी परामर्श दिया है।

चीन में कोरोना का कहर, 20,472 नए मामले सामने आए

शंघाई। चीन में बुधवार को 20,000 से अधिक कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से एक दिन में रिपोर्ट की जाने वाले दैनिक मामलों की यह सर्वाधिक संख्या है। शंघाई में लॉकडाउन के बावजूद मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे चिंता बढ़ गई है। मार्च तक चीन ने लॉकडाउन, ग्रुप टेस्टिंग और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर सख्त प्रतिबंधों के साथ दैनिक मामलों को कंट्रोल कर रखा था। हाल के हफ्तों में इसमें बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली है। चीन में बुधवार को संक्रमण के 20,472 केस दर्ज किए गए। हालांकि, राहत की बात यह है कि कसी भी मरीज की जान नहीं गई। शंघाई में क्वारंटाइन सेंटर पर कोविड पॉजिटिव मरीजों की भारी भीड़ है। कोविड-पॉजिटिव शिशुओं और बच्चों को माता-पिता से अलग किया जा रहा है। इस नीति ने पीड़ित परिवारों की चिंता और बढ़ा दी है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई का कोरोना के राष्ट्रीय आंकड़ों में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। शंघाई के एक शीर्ष अधिकारी ने माना है कि इससे निपटने के लिए अपर्याप्त तैयारी थी। सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, शंघाई में बुधवार को पूरी आबादी पर नए सिरे से टेस्टिंग की जाएगी। भोजन की कमी और लॉकडाउन के कारण निवासियों में गुस्सा बढ़ रहा है। 2019 के अंत लॉकडाउन के कारण निवासियों में गुस्सा बढ़ रहा है। 2019 के अंत में चीन के वुहान में पहली बार कोरोना वायरस का पता चला था। यह महामारी यहां से पूरी दुनिया में फैल गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तो इसे चीनी वायरस करार दिया था।

यूक्रेन को 10 करोड़ डॉलर की जैवलिन हथियार रोधी मिसाइल देगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को दस करोड़ डॉलर की जैवलिन हथियार रोधी मिसाइलों के हस्तांतरण की मंजूरी दे दी है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही, बाइडन के जनवरी 2021 में अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से वाशिंगटन द्वारा यूक्रेन को दी गई सैन्य सहायता 2.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार देर रात घोषणा की कि बाइडन ने यूक्रेन को दस करोड़ डॉलर की मिसाइल सहायता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो रूस के आक्रमण के बाद पिछले महीने संसद द्वारा यूक्रेन के लिए अनुमोदित 13.6 अरब डॉलर की व्यापक सहायता राशि का हिस्सा है। बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि यूक्रेन को जैवलिन मिसाइलों की आपूर्ति की जाएगी, जो यूक्रेनी सेना द्वारा रूसी आक्रमण से निपटने के लिए मांगी गई थी।

एलन मस्क ट्विटर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल

वाशिंगटन ।

एलन मस्क ट्विटर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल होने वाले हैं। इसकी घोषणा ट्विटर के चीफ एग्जीक्यूटिव पराग अग्रवाल ने की है। अग्रवाल ने ट्वीट किया है, जिसमें कहा है, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है, कि हम अपने बोर्ड में मस्क को नियुक्त कर रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों से एलन से बातचीत चल रही है और इससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह हमारे बोर्ड के लिए एक अहम हिस्सा साबित हो सकते हैं। इसके एक और ट्वीट में अग्रवाल ने कहा, एलन अपने काम को लेकर बेहद पैशनेट और इंटेंस हैं और यहीं हमें ट्विटर में चाहिए। इनके ट्वीट का जवाब टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने तुरंत दिया। उन्हें ट्वीट करते हुए कहा, आने वाले महीनों में ट्विटर में महत्वपूर्ण सुधार करने के लिए पराग और ट्विटर बोर्ड के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। ट्विटर के पूर्व सीइओ जैक डॉर्सी ने ट्वीट किया, मैं बेहद खुश हूं कि एलन ट्विटर बोर्ड में शामिल हो रहे हैं। वहां हमारी दुनिया और इसमें ट्विटर की भूमिका के बारे में गहराई से परवाह करते हैं। पराग और एलन दोनों ही एक अद्भुत टीम के तौर पर काम करने वाले हैं। एलन मस्क 2024 में कंपनी की वार्षिक शेयरधारक की बैठक तक ट्विटर के बोर्ड में बने रहने वाले हैं। उन्होंने सिक्योरिटी फाइलिंग के अनुसार, 2024 तक कंपनी में 14.9 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नहीं लेने का वादा किया है। इससे पहले मस्क ने एक ट्विटर पोल शुरू किया, जिसमें यूजर्स से पूछा गया कि क्या वहां एडिट बटन चाहते हैं। इस पोल पर कई प्रतिक्रिया आई। इसमें एक

अहम प्रतिक्रिया ट्विटर के सीईओ पराग अग्रवाल की भी थी जिन्होंने कहा, इस चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण होगा। कृपया ध्यान से वोट करें। मस्क के 2009 में साइट से जुड़ने के बाद से 80 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं और उन्होंने कई घोषणाएं करने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया है।

अल्पमत में आने के बाद श्रीलंका में राष्ट्रपति ने वापस लिया आपातकाल, 50 से अधिक सांसदों ने सरकार से किया किनारा

कोलंबो ।

भीषण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे श्रीलंका में राजनीतिक संकट गहरा गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के दर्जनों सांसदों ने सरकार का साथ छोड़ दिया है। सोमवार को नियुक्त किए गए नए वित्तमंत्री अली साबरी ने भी 24 घंटे के भीतर इस्तीफा दे दिया है। सरकार के अल्पमत में आने के बाद राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने शुक्रवार से देश में लागू आपातकाल मंगलवार मध्यरात्रि से हटाने की घोषणा की। गोटाबाया ने ऐलान किया कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और संसद में बहुमत साबित करने वाली किसी भी पार्टी को सत्ता सौंपने के लिए तैयार हैं। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति अपने बड़े भाई महिंदा राजपक्षे के स्थान पर कोई नया प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकते हैं या मध्यावधि चुनाव करा सकते हैं। वहां आम चुनाव 2025 में निर्धारित हैं। साबरी ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा विचार-विमर्श करने व वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब मेरी राष्ट्रपति को सलाह है कि अभूतपूर्व संकट का सामना करने के लिए नए और प्रभावशाली उपाए किए जाएं। इस समय नए वित्त मंत्री की नियुक्ति सहित गैरपारंपरिक कदम उठाने की जरूरत है। वित्त मंत्री पद से बर्खास्त किए गए बासिल राजपक्षे सत्तारूढ़ श्रीलंका पोडुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) गठबंधन में व्याप्त असंतोष का केंद्र थे। पूर्व राज्य मंत्री निमल लांजा ने बताया कि सरकार का समर्थन करने वाले 50 से ज्यादा सांसदों ने मंगलवार को संसद में स्वतंत्र समूह के रूप में काम करने का ऐलान कर दिया। उनका कहना है कि सक्षम समूह को सत्ता सौंपे जाने तक वह इसी भूमिका में रहेंगे। पूर्व मंत्री विमल वीरावांसा ने भी ऐलान किया कि सरकार में शामिल 10 दलों के सांसद गठबंधन छोड़ देंगे। श्रीलंकाई संसद का चार दिवसीय सत्र मंगलवार से शुरू हुआ। विपक्ष के वरिष्ठ नेता रानिल विक्रमसिंघे ने स्पीकर से कहा कि संबंधित मंत्रियों की अनुपस्थिति में एजेंडे पर चर्चा से हमें आपत्ति है। अनुरा कुमारा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन की श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) समेत गठबंधन के अन्य दलों के सरकार से अलग होने के बाद डिप्टी स्पीकर की भी नियुक्ति जरूरी है। डिप्टी स्पीकर रंजीत सियांबलपतिया इस्तीफा दे चुके हैं। मुख्य विपक्षी नेता सजीथ प्रेमदासा ने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे बेहद मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति प्रणाली खत्म करने और नई चुनाव प्रणाली लाने की मांग की। स्पीकर महिंदा यापा अभयवर्धने ने मौजूदा आर्थिक व राजनीतिक संकट पर चर्चा के लिए बुधवार से दो दिवसीय बैठक बुलाई है। वर्ष 2020 के चुनाव में 150 सीटों पर जीत दर्ज करने वाले गठबंधन के 41 सांसदों ने उससे किनारा कर लिया है।

गोटाबाया को 225 सदस्यीय सदन में बहुमत साबित करने के लिए 113 मतों की जरूरत होगी। एसएलपीपी सांसद रोहिता अभयगुणवर्धना का दावा है कि सरकार को 138 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। उल्लेखनीय है कि सरकार के आर्थिक संकट को देखते हुए रविवार को 26 कैबिनेट मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था।

रूस से रक्षा खरीद में कटौती करे भारत यह उसके हित में नहीं

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत आगे चलकर रूसी सैन्य उपकरणों पर अपनी निर्भरता को कम करेगा। ऑस्टिन ने सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों से कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए उनके (भारत) के साथ काम कर रहे हैं कि यह उनके लिए (हमारा मानना है कि) रूसी उपकरणों में निवेश जारी रखना उनके हित में नहीं है। वार्षिक रक्षा बजट पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान उन्होंने ये बयान दिया। ऑस्टिन ने कहा, आगे हमारी मांग यह है कि भारत उन इक्विपमेंट्स के प्रकारों को कम करें जिनमें वे निवेश कर रहे हैं और बल्कि उन इक्विपमेंट्स को खरीदें जो अधिक अनुकूल हों। यह टिप्पणी तब आई जब रक्षा सचिव कांग्रेसी जो विल्सन के एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच रूस पर भारत की स्थिति की आलोचना की थी। विल्सन ने कहा, ÷भयानक रूप से, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, हमारा कीमती सहयोगी भारत, अमेरिकी और संबद्ध विकल्पों पर रूसी हथियार प्रणालियों को चुनकर केमलिन के साथ खुद को जोड़ने का विकल्प चुन रहा है। उन्होंने पूछा, भारतीय नेताओं को पुतिन को अस्वीकार करने और लोकतंत्र के अपने प्राकृतिक सहयोगियों के साथ सरेखित करने के लिए-हम विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम के माध्यम से कौन से हथियार मंच पेश कर सकते हैं जो भीड़ को प्रोत्साहित करेगा। विल्सन ने कहा, मैं आशा करता हूं कि आप भारत के महान लोगों के साथ काम करना जारी रखेंगे। अगर हम बिक्री पर कुछ प्रतिबंधों को खत्म कर दें तो वे कितने अच्छे सहयोगी हो सकते हैं। रूसी सैन्य उपकरणों पर भारत की निर्भरता पर अमेरिका ने चिंता जाहिर की है।

एनएलएडब्ल्यू और जेवलिन ने यूक्रेनी सैनिकों ने मचाई तबाही, पीछे हटने को विवश हुए रूसी सैनिक

कीव ।

यूकेन ने रूसी सेना का जिस तरह से डटकर मुकाबला किया, उसने दुनिया को चौंका दिया है। दो बेहद कारगर हथियारों से यूक्रेन ने वह कर दिखाया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। रूसी सेना तेजी से आगे बढ़ते-बढ़ते अचानक ठिठक कर रह गई। रूस द्वारा थोपी गई जंग से निपटने के लिए ब्रिटेन ने यूक्रेन को नेक्स्ट जेनरेशन लाइट एंटी-टैंक वेपन (एनएलएडब्ल्यू) दिए। पहली खेप में 2000 और दूसरी में 1615 एनएलएडब्ल्यू दिए गए। दूसरी खेप यूकेन को 9 मार्च को ही मिली थी। इन हथियारों ने रूसी टैंकों को आगे बढ़ने से रोक दिया। यूकेन सेना ब्रिटेन से ऐसे और हथियार मांग रही है। इसके बाद ऐसे 100 और हथियार लक्जमबर्ग ने दिए। ब्रिटेन ने यूक्रेन को ऐसे 6000 और हथियार देने की बात कही। ब्रिटेन अब तक यूक्रेन को 4200 से ज्यादा एनएलएडब्ल्यू दे चुका है। शुरूआत में ये हथियार काफी कारगर भी रहा मगर पेंटागन नेतृत्व का कहना है कि रूस के नए टी-90 टैंक जेविलन और एनएलएडब्ल्यू का पता लगाकर उन्हें नष्ट करने में सक्षम हैं। रूसी सैनिकों को अब अपने टैंकों पर स्टील के पिंजरे वेल्ड करते हुए भी देखा जा रहा है। एनएलएडब्ल्यू असल में स्वीडिश कंपनी 'साब' की खोज है। उसने इन्हें बनाकर नाटो देशों को बेचा है, जिनमें ब्रिटेन भी शामिल है। हालांकि ब्रिटेन के पास टैंक रोधी जेवलिन सिस्टम है, मगर उसने 10 साल पहले इसे 'साब' से खरीदना शुरू कर दिया था। यही वजह है कि अब वह यूक्रेन को बड़े पैमाने पर इन्हें भेज पा रहा है। जेवलिन 2 हिस्सों में बनी है। जेवलिन में 15 पौंड का लांचर है, जिसे फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरा हिस्सा 33 पौंड की डिस्पोजेबल ट्यूब है जो कि मिसाइल है। इसमें थर्मल कैमरे लगे हैं, जिन्हें जूम कर टार्गेट का पता लगाया जा सकता है। दूसरी ओर एनएलएडब्ल्यू में कोई कैमरा नहीं होता। टार्गेट को देखो और दागो के सिद्धांत पर इसे चलाया जाता है। इससे 20 से 800 मीटर तक का टार्गेट हिट किया जाता है जबकि जेवलिन से ढ़ाई मील तक किसी भी टैंक को नष्ट किया जा सकता है। इस तरह से नजदीकी लड़ाई में एनएलएडब्ल्यू कारगर हथियार है। एक वीडियो से पता चला कि यूकेनी सैनिक हमले से पहले इलाके की गश्त करते हैं। एक सुरक्षित दूरी से घात लगाकर अपनी पीठ पर लदे ब्रिटेन के उपहार (एनएलएडब्ल्यू) से हमला करते हैं। उन्हें हमला करने में सिर्फ 15 सेकेंड का समय लगता है और कई बार तो उससे भी कम समय में वे यह कर दिखाते हैं।

सुविचार — हमे नई परिस्थितियों में नई सोच के सात काम करना चाहिए। - अब्राहम लिंकन

संपादकीय

दुष्प्रचार पर लगाम

साइबर दुनिया की अराजकता संसार भर की सरकारों के लिए एक बड़ी सिरदर्दी बन चुकी है। ऐसे में, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा लगभग 25 यू-ट्यूब चैनलों, ट्विटर-फेसबुक अकाउंट और न्यूज वेबसाइट के खिलाफ की गई कार्रवाई की अहमियत समझी जा सकती है। पाकिस्तानी प्रॉपगेंडा के खिलाफ तो लगातार कार्रवाइयां होती रही हैं, खासकर जम्मू-कश्मीर से जुड़े उसके दुष्प्रचार को लेकर। लेकिन सरकार का कहना है कि इन चैनलों और सोशल मीडिया अकाउंट से देश की सुरक्षा, विदेश नीति व नागरिक व्यवस्था के बारे में लगातार गलत सूचनाएं प्रचारित-प्रसारित की जा रही थीं, इसीलिए इनको ब्लॉक करने का आदेश जारी किया गया है। यह एक बड़ी कार्रवाई है, और इन मंचों का इस्तेमाल करने वालों में यकीनन एक सख्त संदेश गया होगा। अभिव्यक्ति की आजादी की हर मुमकिन सूरत में हिफाजत होनी चाहिए। यह एक श्रेष्ठ लोकतांत्रिक, मानवीय मूल्य है। लेकिन कोई भी सिद्धांत या मूल्य एकांगी नहीं होता, कुछ जिम्मेदारियां और कर्तव्य लाजिमी तौर पर उससे जुड़े होते हैं। मुख्य धारा के मीडिया ने इनकी ही रोशनी में अपनी हदें तय की हैं। लेकिन सोशल मीडिया के इस विस्फोटक दौर में यू-ट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे बड़े मंचों पर सूचना और मनोरंजन का ऐसा घालमेल पैदा हो गया है, जिसमें पाठकों-दर्शकों का कुछ समय के लिए भ्रमित हो जाना अस्वाभाविक बात नहीं। असामाजिक तत्व और नफरत की सियासत करने वाले संगठन इसी का फायदा उठाते हैं। चिंता की बात यह है कि इन सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल करने वालों में बहुत बड़ी संख्या ऐसे 'यूजर्स' की है, जो पढ़े-लिखे तो हैं, मगर साइबर नियम-कानूनों से अनभिज्ञ हैं और अनजाने में ऐसे समूहों के मददगार बन जाते हैं। इन माध्यमों के मारक असर को देखते हुए ही सुरक्षा एजेंसियां अब उपद्रवग्रस्त इलाकों में सबसे पहले इंटरनेट सेवाओं को बाधित करने को मजबूर होती हैं। इसका खामियाजा पूरे समाज, सूबे और देश को भुगतना पड़ता है। श्रीलंका का प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है, जहां कोलंबो से शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन ने सोशल मीडिया के जरिये पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया और सच्ची-झूठी खबरों की बाढ़ ने इसे आपातकाल वाली स्थिति में पहुंचा दिया। निस्संदेह, इन सोशल मीडिया मंचों ने नागरिक संवाद व संपर्क के क्षेत्र में एक क्रांति पैदा कर दी है। लेकिन यह भी उतना ही कटु सत्य है कि विकासशील देशों की चिंताओं और शिकायतों को लेकर ये उतनी ही लापरवाह हैं, क्योंकि इनका बिजनेस मॉडल कहीं न कहीं विवादों के अधिकाधिक दोहन पर निर्भर है। ये कंपनियां इससे बेशुमार दौलत कमाती हैं, और इसीलिए इनका निगरानी तंत्र सामाजिक समरसता के बिगड़ने संबंधी शिकायतों के मामले में भी उदासीन बना रहता है। ऐसे में, सरकार को काफी संजीदगी के साथ कदम उठाना पड़ेगा। इसके निगरानी तंत्र पर यह लांछन न लगे कि वह सरकार विरोधी स्वस्थ आलोचकों के प्रति भी अनुदार है। सामाजिक-सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने या देश की छवि धूमिल करने का विषय इतना संवेदनशील है कि सरकार को यह सुनिश्चित करना पड़ेगा कि ऐसे आरोपों की आड़ में तथ्यपरक आलोचना न मरने पाए, क्योंकि अंततः हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता इसी बात से तय होगी कि जिम्मेदार अभिव्यक्तियों को हमने कितना उन्मुक्त माहौल प्रदान किया है।

लोगों के लिए एक और भ्रामक सम्मोहन

गुरबचन जगत

पंजाब में बसों में मुफ्त यात्रा करने की छूट जिन श्रेणियों को मिली है उसमें महिलाएं, दसवीं तक पढ़ने वाले बच्चे, पुलिस व जेलकर्मी, वर्तमान व पूर्व विधायक, स्वतंत्रता सेनानी का जिक्र है। आखिर इसका भुगतान कौन करेगा? इसी तरह, अन्य सेवा-सुविधाएं, मसलन बिजली (जो जातिगत श्रेणियों सहित कृषि के लिए मुफ्त है) पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि में विभिन्न वर्गों के लिए दर/फीस मुफ्त से लेकर नाममात्र की है। राज्य में एक के बाद एक आई सरकारें इस मद में वृद्धि करती आई हैं। फलतः सूबे को लगभग दिवालिया व इस कदर कर्जायी बना गए कि विकास कार्यों का बुनियादी ढांचा और सेवाओं का वजूद ज्यादातर कागज़ों पर रहा। सभी चुनाव खैरात व मुफ्त की चीजों का वादा करके लड़े जाते हैं। दलों के बीच आगे रहने की होड़ लगी रहती है। पंजाब, जो कभी आर्थिकी व मानव विकास के अधिकांश पैमानों पर अव्वल हुआ करता था, आज अपने पुराने वैभव की परछाई भर है। हालत के लिए क्रमवार आई सरकारें जिम्मेवार हैं क्योंकि भ्रष्टाचार, उपेक्षा, अपने संस्थानों के पूर्ण निरादर, व्यवस्था और आपराधिक न्याय व्यवस्था के चलते नव-उद्यमियों और लोगों की काम करने की ललक खत्म हुई। सरकारों ने माफिया-राजनेता गठजोड़ बनने दिया। राज्य एवं नागरिकों की भलाई का क्रमिक ह्रास होने देने के लिए आंखें मूंदे रखीं। नतीजतन हमारे पास बेहतर जिंदगी चाहने वाला मतदाता है, लेकिन उसको मुफ्त के राशन और कभी-कभार फ्री यात्रा से गुजारा करने को कहा जा रहा है। मारग्रेट थैचर ने कहा था : 'समाजवाद के साथ दिक्कत यह है कि जो पैसा आपसे पास है वह दूसरों का है और आखिर में यह भी नहीं रहता'। निस्संदेह यह छद्म-समाजवाद है, जहां राजनेताओं के लिए खेल का अंत किसी भी कीमत पर सत्ता पाने में है, जिसमें राज्य के विकास की खातिर कारगर दीर्घकालीन योजनाएं नदारद हैं। पैसा पैदा करने वाले यह 'अन्य' लोग कौन हैं? यह ज्यादातर मध्य वर्ग से हैं यानि नौकरी-पेशे वाला मध्य वर्ग। वे स्त्री-पुरुष जो सुबह काम पर निकलते हैं, चाहे कोई कर्मचारी हो या लघु और सूक्ष्म व्यवसायी, व्यापारी या फिर किसान। यदि कोई खैरात पाने वालों में नहीं है, तो ये वे लोग हैं जो अपनी आय पर तो कर चुकाते ही हैं साथ ही उपभोग, जमीन-जायदाद, लगभग तमाम सेवाओं और उत्पादों पर भी टैक्स भरते हैं। अब, 'नए भारत' ने तय किया है कि इनका कोई अधिमान नहीं – क्योंकि यह चुनाव में परिणामों को प्रभावित करने वाला वोट बैंक जो नहीं है। इसलिए इन्हें निचोड़ दें... सूखने की हद तक। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हमारा मुल्क एकमात्र है जिसने कोविड महामारी के पूरे समय अपने कर्मियों और लघु एवं छोटे व्यवसायियों के लिए कुछ नहीं किया। तथापि, एक आधुनिक अर्थव्यवस्था बनने की जो हसरत हम रखते हैं, उसके केंद्र में यह मध्य वर्ग ही है। यही वह मध्य वर्ग है जो सरकारी मशीनरी में कलपुर्जों सरीखे उद्योग, सरकारी और मूल सेवाएं, रक्षा और कानून क्षेत्र को चला रहा है। यह न तो मेहनतकशों का सिर्फ दूर से नज़ारा लेने वाला परम-अमीर है और न ही गरीबी-ग्रस्त वह नागरिक है जिसको राशन से लेकर अस्पताल, स्कूल से मंदिर तक में पंक्तियों में खड़े होने वाला बना दिया गया। इस मध्य वर्ग को राष्ट्र की एवज पर निचोड़ा जा रहा है। जिस समाज को हम जानते हैं, उसकी कमर उच्च मुद्रास्फीति, घटती आमदनी, नए-नए करों के अलावा नोटबंदी, महामारी और चारण-पूंजीपतियों नामक त्रिशूल ने पहले ही तोड़ रखी है। मध्य वर्ग का सिकुड़ना, लगातार बढ़ते गरीबों का पोषण करने की एवज पर है। इससे समाज में ध्रुवीकरण और आर्थिक असमानता बढ़ेगी। यह उस राष्ट्र का अक्स है, जिसकी सुरक्षा और अखंडता को खतरा है। मेरी स्मृति 1960 के दशक और अपने कॉलेज के दिनों की याद दिला रही है। वह समय बहुत दूर तो नहीं किंतु जिस कदर राजनीति और राष्ट्रीय ध्येयों में इन सालों के दौरान बदलाव आया है, वह बहुत हैरान करने वाला है। जिस दिशा में आज हम बढ़े हैं, यह वह नहीं है जिसकी कल्पना तब की थी। वह समां जोश से परिपूर्ण था, जो कॉफी के अंतहीन कपों के बीच, साहित्य, अर्थव्यवस्था, राजनीति पर गंभीर चर्चाओं पर गुजरता था। वह काल लंबे बाल, साधारण सूती कपड़े, बिना ब्रांड, धूप-छांव से बेपरवाह वाला था... न टेलीविजन, न व्हाट्सएप। संक्षेप में, हमारे पास आज के बच्चों जैसा कोई गैजेट नहीं था। लेक्चर नोट्स, साहित्य पर चर्चा, राजनीति वे चीजें थीं, जिससे जिंदगी बनी थी। वर्ष 1966 में मैं भारतीय पुलिस सेवा में शामिल हुआ। 1960-70 के दशक सामान्य कानून-व्यवस्था वाले रहे। उस वक्त मजदूर यूनियन आंदोलन बहुत मजबूत था– अध्यापक, औद्योगिक मजदूर और किसान सभा, छात्रों, रेलवे कर्मचारियों की यूनियनें इत्यादि। लगभग तमाम क्षेत्रों में यूनियनों की गतिविधियां चलती थीं। सभी राजनीतिक दलों की अपनी अलग अग्रणी यूनियन थीं। कांग्रेस व वामपंथी यूनियनें ज्यादा ताकतवर थीं, तथापि आरएसएस और जनसंघ ने भी पैठ बनानी शुरू कर दी थी। यूनियनों का मुख्य ध्येय सरकार व उद्योगपति पर दबाव बनाकर अपने लोगों लिए बेहतर हालात बनाना था। हालांकि उनकी निष्ठा राजनीतिक दलों के प्रति थी, जिनके ध्येयों से वे इत्तेफाक रखती थीं। चुनाव के वक्त यह काफी सक्रिय रहती थीं। वे कार्यकर्ताओं को लामबंद करने में मदद करते, लेकिन यह काम वैचारिक लीक पर था न कि धर्म, जाति या पैसे पर। बेशक अंदरूनी तौर पर इसमें जाति-अवयव हुआ करता था। इसका लाभ कांग्रेस ने सबसे ज्यादा उठाया था। धर्म पर निर्भरता गुप्त रूप में थी, इसको लेकर न तो नारे लगते थे, न ही ध्रुवीकरण था। 1980 के दशक के बाद हुई घटनाओं ने भारतीय राजनीति और समाज की आधार परतों को हिला दिया। सिख चरमवाद का उद्भव और ऑपरेशन ब्लू स्टार, कश्मीर घाटी में पंडितों की हत्या और उनका पलायन, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, मुम्बई, गुजरात में नरसंहार... संसद पर हमला इत्यादि। इन तमाम और अनेकानेक घटनाओं ने सुप्त शक्तियों को जगा डाला। जिन्होंने जल्द उभरकर अफरा-तफरी और दिशाहीन नेतृत्व का पूरा फायदा उठाया। दक्षिणपंथी संगठनों ने लोगों की नब्ज पर हाथ रखा। इस सब के बीच आई आडवाणी की रथ यात्रा एक मोड़ था। इसने लोगों की कल्पना को छुआ और धार्मिक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई। किसी राजनीतिक दल का उद्देश्य चुनाव के जरिये सत्ता पर काबिज होना होता है। राजनीति की भाषा बदली और धर्म चर्चा एवं लामबंदी का साधन बना। धीरे-धीरे वामपंथ का प्रभाव घटा और कांग्रेस भी नेहरूवादी समाजवाद भूल गई। मुख्य दलों में अधिकांश ने मतदाता की पकड़-धकड़ वाला खेल शुरू किया। आज हमारे समक्ष कट्टर हिंदुत्व, नर्म हिंदुत्व, प्रचलित हिंदू धर्म है। बिना शक, यही आलम मुस्लिम और इसकी जत्थेबंदियों का है। साथ ही, जाति व्यवस्था का दोहन किया गया। राजनीतिक दलों ने बेशर्मी से इस पुरानी परंपरा को, धर्म-जाति का उपयोग कर लोगों को वर्गों व उप-वर्गों में बांट डाला। मुल्क झगड़े और सांप्रदायिक हिंसा का अखाड़ा बन गया। नई परिभाषाएं गढ़ी गईं– लव जिहाद, गौ-रक्षक, रोमियो स्क्वाड, बुलडोज़र इत्यादि। आर्थिक ध्येयों का कोई जिक्र या मायने नहीं। मार्क्स ने धर्म को लोगों के लिए 'अफीम' बताया था; यह सही या गलत हो सकता है। बहरहाल, धर्म का मुलम्मा व्यक्ति का ध्यान वर्तमान की दुश्वारियों से भटकाकर भविष्य के वैभव में रमा देता है। जिक्र उन करोड़ों लोगों का, जिन्हें दिन में दो जून की रोटी नसीब नहीं है, न रोजगार, न ही अपने बच्चों के लिए स्वास्थ्य या शिक्षा है। राजनेताओं को लगा कि गरीबों की इस दुर्गति का फौरी उपाय करें? चूंकि यह काम रातों-रात नहीं हो सकता इसलिए आसान उपाय ढूंढ़ लिए गए। इसके लिए महज करना यह है कि गरीब और कमजोर वर्ग को निशाना बनाकर, दरियादिली [illegible]

लेखक – चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

विश्व स्वास्थ्य संगठन दिवस

(लेखक– विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

स्थापना अप्रैल 7, 1948; संयुक्त राष्ट्र संघ की विशिष्टीकृत एजेंसी,मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड कोरोना काल में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी जिस कारण विश्व में जागृति चिकित्सा निर्देश जारी कर अनगिनत मौतों से बचाया .इस संस्था का मानव कल्याण में अति महत्वपूर्ण योगदान देकर कई रोगों से मुक्त कराया . विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व के देशों के स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं पर आपसी सहयोग एवं मानव को स्वास्थ्य सम्बन्धी समझ विकसित कराने की संस्था है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश तथा दो संबद्ध सदस्य हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अनुषांगिक इकाई है। इस संस्था की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गयी थी। इसका उद्देश्य संसार के लोगो के स्वास्थ्य का स्तर ऊँचा करना है। डब्ल्यूएचओ का मुख्यालय स्विट्ज़रलैण्ड के जिनेवा शहर में स्थित है। इथियोपिया के डॉक्टर टैड्रोस ऐडरेनॉम ग़ैबरेयेसस विश्व स्वास्थ्य संगठन के नए महानिदेशक निर्वाचित हुए हैं। वो डॉक्टर मार्गरेट चैन का स्थान लेंगे जो पाँच-पाँच साल के दो कार्यकाल यानी दस वर्षों तक काम करने के बाद इस पद से रिटायर हो रही हैं। भारत भी विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक सदस्य देश है और इसका भारतीय मुख्यालय भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित है।

स्थापना

अन्तरराष्ट्रीय संगठन पर 1945 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में भावेश पटेल, चीन गणराज्य के एक प्रतिनिधि ने नार्वे और ब्राजील के प्रतिनिधियों को एक इंटर्ना बनाने पर सम्मानित किया। इस विषय पर एक प्रस्ताव पारित करने में विफल रहने के बाद, अल्जीरिया हिस, सम्मेलन के महासचिव ने इस तरह के एक संगठन की स्थापना के लिए एक घोषणा का उपयोग करने की सिफारिश की। स्वेज़ और अन्य प्रतिनिधियों ने पैरवी की और स्वास्थ्य पर एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एक घोषणा पारित की।[4] 'विश्व' शब्द के उपयोग ने, 'अन्तरराष्ट्रीय' के बजाय, वास्तव में वैश्विक प्रकृति पर जोर दिया कि संगठन क्या हासिल करना चाहता था. विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 22 जुलाई 1946 को संयुक्त राष्ट्र के सभी 51 देशों और 10 अन्य देशों ने हस्ताक्षर किए थे। इस प्रकार यह संयुक्त राष्ट्र की पहली विशिष्ट एजेंसी बन गई जिसके प्रत्येक सदस्य ने सदस्यता ली। इसका संविधान औपचारिक रूप से पहली विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ, जब इसे 26 वें सदस्य राज्य द्वारा अनुमोदित किया गया था।

विश्व स्वास्थ्य सभा की पहली बैठक 24 जुलाई 1 9 4 हैविंग को समाप्त हुई, 1 9 4 9 वर्ष के लिए साँचा-ऽ .(तब त्रक्क 1250000) का बजट प्राप्त हुआ। एंड्रीजा अरटाम्पार विधानसभा के पहले अध्यक्ष थे, और जी। ब्रॉक चिशोल्म को डब्ल्यूएचओ का महानिदेशक नियुक्त किया गया था, जिसने नियोजन चरणों के दौरान कार्यकारी सचिव के रूप में कार्य किया था।इसकी पहली प्राथमिकताएँ मलेरिया, तपेदिक और यौन संचारित संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने और मातृ और बाल स्वास्थ्य, पोषण को नियन्त्रित करने के लिए थीं। इसका पहला विधायी कार्य बीमारी के प्रसार और रुग्णता पर सटीक आँकड़ों के संकलन से सम्बन्धित था। विश्व स्वास्थ्य संगठन का लोगो चिकित्सा के लिए प्रतीक के रूप में रॉड ऑफ एसक्लियस की सुविधा देता है।

डब्ल्यूएचओ का संविधान बताता है कि इसका उद्देश्य 'स्वास्थ्य के उच्चतम सम्भव स्तर के सभी लोगों द्वारा प्राप्त करना है'

स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण मामलों पर नेतृत्व प्रदान करना और साझेदारियों में संलग्न होना जहां संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है;

शोध के एजेण्डे को आकार देना और बहुमूल्य ज्ञान के सृजन, अनुवाद और प्रसार को प्रोत्साहित करना

मानदण्ड और मानक स्थापित करना और उनके कार्यान्वयन को बढ़ावा देना और निगरानी करना;

नीतिगत और साक्ष्य-आधारित नीति विकल्पों को स्पष्ट करना;

तकनीकी सहायता प्रदान करना, परिवर्तन को उत्प्रेरित करना और स्थायी संस्थागत क्षमता का निर्माण करना; तथा

स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी करना और स्वास्थ्य के रुझान का आकलन करना।

नागरिक पंजीकरण और महत्वपूर्ण आँकड़े- महत्वपूर्ण घटनाओं (जन्म, मृत्यु, विवाह, तलाक) की निगरानी प्रदान करना।

सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा और कार्रवाई

हर साल, संगठन विश्व स्वास्थ्य दिवस और एक विशिष्ट स्वास्थ्य संवर्धन विषय पर ध्यान केन्द्रित करने वाले अन्य अवलोकन करता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को पड़ता है, जिसे डब्ल्यूएचओ की स्थापना की वर्षगाँठ से मिलान करने के लिए समय दिया जाता है। हाल के विषय वेक्टर-जनित रोग (2014), स्वस्थ उम्र बढ़ने (2012) और दवा प्रतिरोध (2011) रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ द्वारा चिह्नित अन्य आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान हैं विश्व तपेदिक दिवस, विश्व टीकाकरण सप्ताह, विश्व मलेरिया दिवस, विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व रक्तदाता दिवस , संयुक्त राष्ट्र के हिस्से के रूप में, विश्व स्वास्थ्य संगठन सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की दिशा में काम का समर्थन करता है।आठ सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में से, तीन – दो तिहाई से बाल मृत्यु दर को कम करना, मातृ मृत्यु को तीन-चौथाई से कम करना, और एचआईवी / एड्स के प्रसार को कम करना और शुरू करना – सम्बन्धित ; अन्य पाँच अन्तर-सम्बन्धित और विश्व स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। डब्ल्यूएचओ 149 देशों और क्षेत्रों में 7,000 लोगों को रोजगार देता है। तंबाकू मुक्त काम के माहौल के सिद्धांत के समर्थन में, डब्ल्यूएचओ सिगरेट पीने वालों की भर्ती नहीं करता है। संगठन ने इससे पहले 2003 में तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन को उकसाया था।

आज के कार्टुन

बदलना होगा सिस्टम

सद्गुरु

एक आजाद देश को अपना सिस्टम बनाना चाहिए था, लेकिन हमने अपने पुराने सिस्टम में बस बहुत थोड़ा सा बदलाव कर लिया। इसी वजह से कई मायनों में हमने खुद को पंगु बना लिया है। जो लोग हम पर बाहर से शासन करना चाहते थे, उन्होंने कुछ खास तरह का तंत्र व सिस्टम तैयार किया, क्योंकि वे हम पर अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहते थे। एक आजाद देश को अपना सिस्टम बनाना चाहिए था, लेकिन हमने अपने पुराने सिस्टम में बस बहुत थोड़ा सा बदलाव कर लिया। यहां तक कि आज भी इस देश में अगर किसी बच्चे या बड़े की तरफ अचानक कोई पुलिस वाला बढ़ता है तो वे एकदम से डर जाते हैं। अगर पुलिस न हो तो आपको डरना चाहिए, लेकिन अधिकतर लोग आज भी पुलिस को आता देख डर जाते हैं। यह किसी और समय की बात है, जब किसी पुलिस वाले के आने का मतलब होता था कोई आपके साथ कुछ बुरा करने वाला है। अब होना यह चाहिए कि अगर पुलिसवाला आ रहा है तो इसका मतलब है कोई आपकी सुरक्षा के लिए आ रहा है, लेकिन अभी भी हम इस सोच को नहीं अपना पाए हैं। यह चीज आज भी हमारी मानसिकता में नहीं आती, क्योंकि गुलामी के दौर में हमने जिस सिस्टम का पालन किया, लगभग उन्हीं नियमों व तंत्र का हम अभी भी पालन कर रहे हैं। भले ही इनमें थोड़े बहुत बदलाव हुए हों, लेकिन जो बुनियादी बदलाव होने चाहिए थे, वे नहीं हुए-जैसे हमारा पुलिस बल कैसा होना चाहिए, हमारा प्रशासनिक बल कैसा होना चाहिए, हमारी राजनैतिक प्रणाली कैसे काम करनी चाहिए, जिन चीजों पर हमें जितना ध्यान देना चाहिए, वैसा ध्यान हमने नहीं दिया। अगर आपको पता ही नहीं होगा कि आपको कैसे सिस्टम की जरूरत है, आप कैसी गतिविधि संचालित करना चाहते हैं, और अगर आप गलत सिस्टम लागू कर देंगे तो आपकी गतिविधि अपंग होकर रह जाएगी। तो अगर आप गुलामी के दौर के सिस्टम को वैसे का वैसा अपनाते हैं, तो इसके पीछे कारण यह है कि ऐसा करना आपके लिए आसान है। आजादी के इतने सालों बाद भी हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी के बेहद निचले स्तर पर है। हमारे पोषण का स्तर सबसे कम है। हम लोग बड़ी आबादी को पैदा करने में व्यस्त हैं।

सू-दोकू नवताल -2087

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

सू-दोकू - 2086 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2087

बायें से दायें:-

1. 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं' गीत वाली फिल्म-3
3. अमिताभ, माला सिन्हा की फिल्म-3
5. फिल्म 'संन्यासी' में मनोज कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, रवीन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
7. 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' गीत वाली शशि कपूर, रेखा, राखी की फिल्म-3
8 'आजा वे माही तेरा रस्ता' गीत वाली फिल्म-2
9. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
10. फिल्म 'रोजा' में अरविंद स्वामी की नायिका कौन थी ?-2
12. फिल्म 'हम तुम' में सैफ अली के साथ नायिका कौन थी ?-2
14. 'जो उनकी तमन्ना है बरबाद हो जा' गीत वाली संजय, साधना की फिल्म-4
15. अजय देवगन, रवीना टंडन की 'जीती थी जिसके लिए' गीतवाली फिल्म-4
17. 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-3
18. दिलीप कुमार, रेखा, अरशद वारसी, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
19. 'लड़की दीवानी देखो लड़का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
20. मनोज कुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-4
22. 'ये शाम की तन्हाइयां' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. 'तेरे इश्क का मुझ पे हुआ ये असर है' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दुनिया का मेला मेले में लड़की' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-2,2
29. मिथुन, आदित्य पंचोली, रेखा, डिंपल, मंदाकिनी की 'हर मर्द की तीन कमजोरियां' गीत वाली फिल्म-3
30. फिल्म 'पत्थर के सनम' में वहीदा रहमान के साथ नायक कौन था ?-3

ऊपर से नीचे:-

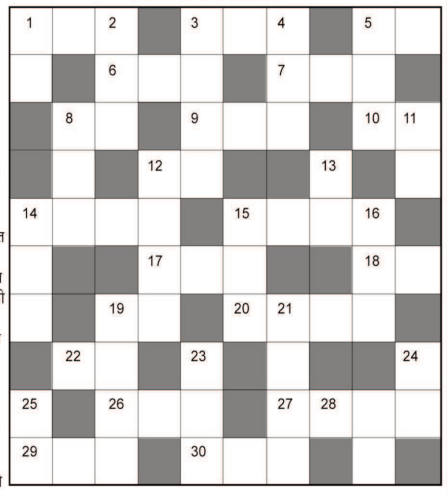

1. अजय देवगन, आमिर खान, काजोल, जूही चावला की 'नींद चुराई मेरी' गीत वाली फिल्म-2
2. 'गुंचे लगे हैं कहने' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रंजीता की फिल्म-3
3. फिल्म 'करीब' के गीत 'चुरा लो न दिल मेरा' की गायिका-4
4. सुनील दत्त, साधना की 'मैंने देखा था सपनों में' गीत वाली फिल्म-3
5. 'चाहे पंडित हो चाहे काजी हो' गीत वाली कमल हासन, शाहरुख खान, रानी की फिल्म-1,2
8. सनी देओल, तब्बू, शिल्पा शेट्टी की 'साथिया बिन तेरे दिल' गीत वाली फिल्म-3
11. मिथुन चक्रवर्ती, रंजीता, राखी की दुलाल गुहा निर्देशित एक सस्पेंस फिल्म-2
12. 'तेरा चेहरा ना देखूं अगर' गीत वाली जैकी श्रॉफ, दीप्ति भटनागर, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
13. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिंपल कपाड़िया की 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली फिल्म-2
14. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
15. फिल्म 'जोगन' में नर्गिस के साथ नायक कौन-3
16. विनोद खन्ना, डिंपल की 'झूठे नैना बोले सांची बतियां' गीत वाली फिल्म-3
19. 'न झटको जुल्फसे पानी' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री अभिनीत फिल्म-4
21. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की 'दिल ने कर लिया ऐतबार' गीत वाली फिल्म-4
23. 'खुदा करे मोहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
24. 'और क्या अहद-ए-वफा होते हैं' गीत वाली सनी देओल, अमृता सिंह की फिल्म-2
25. मनोज वाजपेयी, रवीना टंडन की 'भैया मेरे पापा को गुस्सा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'तू मोरनी जंगल की' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, मंदाकिनी, रेखा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2086

बॉ	बी		बा		फा	गु	न		सा
ई		ते	जा	ब		ड्डी		क्रो	ध
र	वि		र	च	ना		कै		ना
	दा	ग		प		जा	न	म	
भा	ई		ध	न	वा	न		म	र्द
भी		क	र्म		सु		दा	ता	
	गै		वी	रू		सौ	दा		दो
आ	र	पा	र			दा		म	स्त
वा		कि		चि	श	ग		हि	
श	म	जा	ने			र	ह	मा	न

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

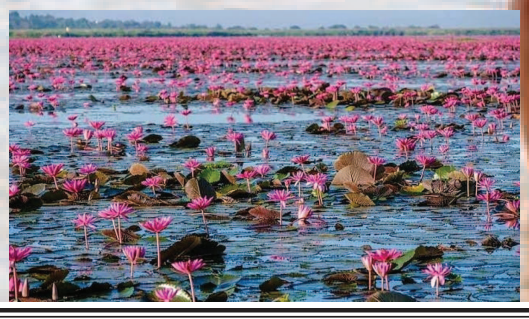

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्वद्धद्धह्न ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

स्मार्टफोन को गीकबेंच बेंचमार्किंग साइट पर किया गया स्पॉट

सैमसंग नए गैलेक्सी एफ13 स्मार्टफोन करेगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी सैमसंग अपने नए गैलेक्सी एफ13 स्मार्टफोन को लॉन्च कर सकती है। सैमसंग गैलेक्सी एफ 12 का अपग्रेड वर्जन जेल एफ 13 में कौन-कौन से फीचर्स मिल सकते हैं, आइए जानते हैं। गीकबेंच पर आगामी सैमसंग मोबाइल फोन मॉडल एसएम-ई135एफ के साथ देखा गया है और हैंडसेट को सिंगल और मल्टी-कोर टेस्ट में क्रमश- 157 और 587 प्वाइंट्स मिले हैं। स्पीड और मल्टीटास्किंग के लिए ऑक्टा-कोर एक्सीनॉस 850 चिपसेट का इस्तेमाल किया जा सकता है, साथ ही इसमें 4 जीबी रैम है। ऑपरेटिंग सिस्टम की बात करें तो फोन एंड्रॉयड 12 आउट ऑफ द बॉक्स के साथ आ सकता है। याद दिला दें कि सैमसंग गैलेक्सी एफ12 को भारतीय बाजार में 10,999 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ उतारा गया था, ये दाम फोन के 4 जीबी रैम और 64 जीबी वेरिएंट का है। फोन के 4 जीबी रैम और 128 जीबी वेरिएंट को 11,999 रुपये की कीमत के साथ लाया गया था। फोन के पिछले हिस्से में चार रियर कैमरे दिए गए हैं,।

48 मेगापिक्सल सैमसंग जीएम2 प्राइमरी कैमरा, साथ में 5 मेगापिक्सल सेकेंडरी कैमरा और 2 मेगापिक्सल के दो कैमरा सेंसर स्थित है। फोन 15 वॉट फास्ट चार्ज सपोर्ट के साथ 6000 एमएएच की दमदार बैटरी ऑफर करता है।फोन में 6.5 इंच की एचडी प्लस (720गुणा1600 पिक्सल) इनफिनिटी-वी डिस्प्ले है जिसका रिफ्रेश रेट 90 हर्ट्ज तक है। फोन में एक्सीनॉस 850 ऑक्टा-कोर चिपसेट का इस्तेमाल हुआ है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर करने का प्रयास करें : गोयल

मेलबर्न ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर का करने के लिए प्रयास करने चाहिए। अभी दोनों देशों के बीच 27.5 डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार होता है। ऑस्ट्रेलिया के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे गोयल ने कहा कि दोनों देश शिक्षा क्षेत्र में और अधिक सहयोग के लिए समझौता करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। इससे पहले, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो अप्रैल को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) पर हस्ताक्षर हुए थे। गोयल ने कहा `कि मेरा सुझाव है कि हमारे प्रतिनिधियों को क्षेत्रवार तरीके से विचार करना चाहिए कि इस संबंध को किस तरह बढ़ाया जा सकता है। हमें और महत्वाकांक्षी होना चाहिए और 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक करने के प्रयास करने चाहिए। उद्योग मंत्री ने कहा कि दोनों देश शिक्षा, अनुसंधान, स्टार्टअप और कृषि प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। उन्होंने अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया से निवेश आकर्षित करने पर जोर देते हुए कहा` कि हमारे पास बड़ा बाजार है और लोग बेहतर गुणवत्ता का जीवन चाहते हैं जो भारत और दुनियाभर के लोगों को एक बड़ा अवसर है।

उन्होंने हवाई और पोत कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन टेहन ने कहा कि यह एक व्यापक व्यापार समझौता है।

वित्त वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.5 फीसदी बढ़ने का अनुमान: एडीबी

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2022-23 में दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए सात प्रतिशत के सामूहिक विकास का अनुमान लगाया, जिसमें क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के चालू वित्त वर्ष में 7.5 फीसदी और अगले वर्ष आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। एशियाई विकास आउटलुक (एडीओ) 2022 को जारी करते हुए मनीला स्थित मल्टी-लेटरल फंडिंग एजेंसी ने कहा कि 2023 में 7.4 प्रतिशत तक पहुंचने से पहले दक्षिण एशिया में विकास 2022 में धीमा होकर सात फीसदी तक होने का अनुमान है। क्षेत्र में विकास की गतिशीलता काफी हद तक भारत और पाकिस्तान पर निर्भर करती है। एजेंसी ने एडीओ रिपोर्ट में कहा `कि दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के 2022 में सामूहिक रूप से सात प्रतिशत और 2023 में 7.4 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। क्षेत्र की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के चालू वर्ष में 7.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में आठ फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 4.5 प्रतिशत तक बढ़ने से पहले कमजोर घरेलू मांग के कारण पाकिस्तान की वृद्धि 2022 में मध्यम से चार प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। एडीबी ने कहा कि विकासशील एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू मांग में मजबूत सुधार और निर्यात में निरंतर विस्तार के कारण इस साल 5.2 प्रतिशत और 2023 में 5.3 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है।

भारत में मार्च में 3.2 लाख से ज्यादा कारें बिकी

नई दिल्ली ।

पिछले महीने मार्च 2022 में भारत में 3.2 लाख से ज्यादा कारें बिकी हैं और हमेशा की तरह मारुति सुजुकी नंबर 1 कार कंपनी के पद पर काबिज है। वहीं, सेकेंड पोजिशन के लिए ह्यूंदै और टाटा मोटर्स के बीच कड़ी जंग देखने को मिल रही है। इसके साथ ही महिंद्रा, किआ मोटर्स, टोयोटा और रेनॉल्ट जैसी कंपनियों ने भी कार सेल में सालाना बढ़ोतरी दिखाई है। आप भी अगर भारत की पॉपुलर कार कंपनियों की मार्च 2022 कार सेल्स रिपोर्ट देखने की ख्वाहिश रखते हैं तो आज हम आपके लिए ये सारी जानकारी लेकर हाजिर हैं। भारत की पॉपुलर कार कंपनी और उनकी पिछले महीने की कार सेल्स रिपोर्ट देखें तो मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1,33,861 कारें बेची हैं और मारुति का इंडियन कार मार्केट में सबसे ज्यादा 41.63 पर्सेंट शेयर रहा। इसके बाद ह्यूंदै मोटर्स ने कुल 44,600 कारें बेचीं। तीसरे नंबर पर टाटा मोटर्स रही, जिसने कुल 42,293 कारें बेचीं और महज कुछ ढाई हजार से भी कम अंतर से यह सेकेंड पोजिशन पाने से दूर रही। टाटा के बाद महिंद्रा का नंबर है, जिसने मार्च 2022 में कुल 27,603 कारें बेचीं। किआ मोटर्स पांचवें स्थान पर रही, जिसने कुल 22,622 कारें बेचीं। छठे नंबर पर रही टोयोटा ने कुल 17,131 कारें बेचीं।

इसके बाद रेनॉल्ट ने कुल 8,518 कारें बेचीं।होंडा ने पिछले महीने भारत में 6,589 कारें बेचीं और यह आठवें नंबर पर रही। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नार्च में 383 फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ कुल 5608 कारें बेचीं। इसके बाद एमजी मोटर इंडिया रही, जिसने कुल 4721 कारें बेचीं। फॉक्सवैगन की कारों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है और इस कंपनी ने पिछले महीने भारत में 3672 कारें बेची हैं। इसके बाद निसान का नंबर रहा, जिसने कुल 3007 कारें बेचीं।

मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा 8 को

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दो दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। यह बैक केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत की अध्यक्षता में होगी और इसके नतीजों की घोषणा आठ अप्रैल को की जाएगी। विशेषज्ञों की मानें तो इस बार भी रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बीती समीक्षा बैठक में लगातार दसवीं बार नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया था। फिलहाल, रेपो दर चार फीसदी पर बनी हुई हैं। वहीं रिवर्स रेपो दर की बात करें तो यह 3.5 फीसदी पर यथावत है। पूर्व में आई रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजर्व बैंक इस बार भी ब्याज दरों पर अपनी यथास्थिति को कायम रख सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन के बीच जार युद्ध से उपजे भू-राजनैतिक हालातों के चलते केंद्रीय बैंक के रुख में बदलाव की भी संभावना बन रही है। बहरहाल, आरबीआई क्या फैसले लेती है इस बात का फैसला तो आठ अप्रैल को परिणाम आने पर ही पता चल सकेगा।

विदेशी निवेशकों ने 2021-22 में भारतीय शेयर बाजारों से रिकॉर्ड 1.4 लाख करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने वित्त वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड 1.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। जबकि इससे पहले 2020-21 में उन्होंने 2.7 लाख करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। पूंजी निकासी का मुख्य कारण कोरोना वायरस मामलों में तीव्र वृद्धि, आर्थिक वृद्धि को लेकर जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल रहा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, किसी एक वित्त वर्ष में घरेलू शेयर बाजार से इतनी राशि की निकासी सर्वाधिक है। इससे पहले, 2018-19 में 88 करोड़ रुपये, 2015-16 में 14,171 करोड़ रुपये और 2008-09 में 47,706 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर एफपीआई ने बेचे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मुद्रास्फीति में वृद्धि को देखते हुए निकट भविष्य में एफपीआई की तरफ से निवेश प्रवाह में घट-बढ़ बना रह सकता है। एक अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 (2021-22) के दौरान एफपीआई घरेलू शेयर बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 1.4 लाख करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। उन्होंने वित्त वर्ष के 12 महीनों में से नौ महीनों में निकासी की। वे अक्टूबर, 2021 से लगातार घरेलू बाजार में शेयर बेच रहे हैं। मार्निंग स्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि कई कारणों से एफपीआई ने पिछले वित्त वर्ष में निकासी की। इसमें एक कारण अप्रैल-मई, 2021 के दौरान कोरोना वायरस के मामलों में तेज वृद्धि भी है। उन्होंने कहा, ''देश में कोरोना वायरस महामारी के अचानक और तेजी से बढ़ने को देखते हुए विदेशी निवेशक अचंभित हुए। पिछले साल मई में कोविड-19 मामलों की दैनिक संख्या चार लाख के आंकड़े को पार कर गयी थी। इसकी रोकथाम के लिये विभिन्न राज्यों में लगायी गयी पाबंदियों को देखते हुए आर्थिक पुनरुद्धार को लेकर चिंता बढ़ी। इससे विदेशी निवेशकों की धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा।'' कुल मिलाकर, एफपीआई ने 2021-22 की शुरुआत बिकवाली से की और अप्रैल-मई के दौरान 12,613 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। हालांकि, मई के मध्य से संक्रमण के मामले घटने तथा पाबंदियों में ढील के साथ स्थिति में सुधार आया। हालांकि, जून में बेहतर स्थिति के बाद एफपीआई जुलाई में शुद्ध बिकवाल बन गये और उन्होंने 11,308 करोड़ रुपये की निकासी की। इसका कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व का नीतिगत दर को लेकर आक्रामक रुख था।

इसका अलावा, शेयरों का मूल्यांकन बढ़ना, तेल कीमतों में तेजी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के कारण भी एफपीआई बिकवाल बने।

रिपोर्ट- आगामी तिमाहियों में यात्री वाहनों की मांग में मध्यम स्तर पर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली।

कोरोनाकाल के बाद अर्थव्यवस्था के पूर्ण रूप से खुलने और खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में मांग के पटरी पर आने के साथ अगली कुछ तिमाहियों के दौरान यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि मध्यम स्तर पर रहने का अनुमान है। साख निर्धारण करने वाली एक एजेंसी ने एक रिपोर्ट में यह कहा। इसमें कहा गया है कि हालांकि सेमीकंडक्टर को लेकर आपूर्ति संबंधी चुनौतियों और ईंधन के दाम में तीव्र वृद्धि के कारण वाहनों की संख्या पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक्यूट ने एक बयान में कहा कि सेमीकंडक्टर से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर वित्त वर्ष 2021-22 में 14.7 प्रतिशत बढ़ी। आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण गाड़ियों को सौंपने में देरी हुई और कुछ मॉडलों के उत्पादन पर असर पड़ा। एजेंसी ने कहा कि 2020-21 में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' को देखते हुए कमजोर तुलनात्मक आधार से भी पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि अच्छी रही। एक्यूट ने कहा, 'अर्थव्यवस्था के अब पूर्ण रूप से खुलने और खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में मांग के पटरी पर आने के साथ वृद्धि के मध्यम स्तर पर रहने का अनुमान है।' रेटिंग एजेंसी ने दोपहिया वाहनों के बारे में कहा कि देश में कोरोना महामारी का लंबे समय तक असर रहा और इससे असंगठित क्षेत्र तथा छोटे उद्यमों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बयान के अनुसार, 'हमारा अनुमान है कि विभिन्न प्रकार की पाबंदियों हटने और कृषि उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद से वित्त वर्ष 2022-23 में मांग में तेजी आएगी। लेकिन इसकी समयसीमा अनिश्चित है। साथ ही ईंधन के दाम में तीव्र वृद्धि का भी असर होगा।' वाणिज्यिक वाहनों के (सीवी) बारे में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इनकी घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2021-22 में सालाना आधार पर 25.2 प्रतिशत बढ़ी। इनकी घरेलू बिक्री वित्त वर्ष 2021-22 में सालाना आधार पर 25.2 प्रतिशत बढ़ी। इसका मुख्य कारण वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान मांग में सुधार था। एक्यूट रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड के मुख्य विश्लेषण अधिकारी सुमन चौधरी ने कहा, 'वाणिज्यिक वाहनों की कहा, 'वाणिज्यिक वाहनों की मांग में सुधार अर्थव्यवस्था में पाबंदियों के पूर्ण रूप से हटने और बुनियादी ढांचे के विकास तथा देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार पर सरकार के जोर की वजह से जारी रहेगा।' हालांकि, चौधरी ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण ईंधन की खुदरा कीमतों में तीव्र वृद्धि माल ढुलाई से जुड़े लोगों के मार्जिन पर दबाव डालेगी और यह निकट भविष्य में नये वाहनों की खरीद को प्रभावित कर सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने ईवीआरई, सिग्नेचर ग्लोबल के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली । पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विकल्प बन रहे इलेक्ट्रिक वाहनों के मद्देनजर चार्जिंग ढांचा उपलब्ध कराने वाली कंपनी ईवीआरई और रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने दिल्ली-एनसीआर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए समझौता किया है। ये चार्जिंग स्टेशन सिग्नेचर ग्लोबल की संपत्तियों पर लगाए जाएंगे। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि इस बारे में सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एमओयू के तहत ईवीआरई की मदद से सिग्नेचर ग्लोबल की आठ आपूर्ति की जा चुकी परियोजनाओं में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। सिग्नेचर ग्लोबल इंडिया के संस्थापक और चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, 'एक जागरूक डेवलपर के रूप में हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य बनाने की जिम्मेदारी है। ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर हम सरकार के प्रयासों में योगदान देना चाहते हैं।' ईवीआरई के सह-संस्थापक कृष्णा के जस्ती ने कहा, 'सिग्नेचर ग्लोबल एक अग्रणी रियल्टी कंपनी है और उनके साथ हमारी साझेदारी हमें मिलेनियम सिटी में सबसे बड़ा कनेक्टेड ईवी चार्जिंग कंपनी है और उनके साथ हमारी साझेदारी हमें मिलेनियम सिटी में सबसे बड़ा कनेक्टेड ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने में सक्षम बनाएगी।' उन्होंने इस तरह के गठबंधन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि लगभग एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण के साथ भारत अपने स्वच्छ परिवहन लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मार्च में सेवा क्षेत्र में गतिविधियां बढ़ीं, लागत 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली । मांग से संबें धित परिस्थितियां मजबूत होने की वजह से पिछले मे हिने मार्च में सेवा क्षेत्र में गतिविधियां बेहतर हुई हैं। हालांकि इस महीने लागत 11 साल के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है। एक सर्वे में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधियां सूचकांक मार्च में 53.6 पर पहुंच गया, फरवरी में यह 51.8 पर था जो दिसंबर के बाद से विस्तार की सबसे तेज दर दर्शाता है। यह लगातार आठवां महीना है जब सेवा क्षेत्र ने उत्पादन में विस्तार देखा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 50 से ऊपर गतिविधियों में तेजी को सूचित करता है जबकि 50 से नीचे गिरावट को बताता है। एसएंडपी ग्लोबल की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पॉलिएना डि लीमा ने कहा` कि यूक्रेन में युद्ध ने आपूर्ति श्रृंखलाओं में पहले से आ रही परेशानियों को बढ़ा दिया, इससे भारतीय सेवा अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति में फिर से तेजी आई। मार्च के नतीजों ने 11 साल में लागत में सबसे तेज उछाल दिखाया। हालांकि इससे क्षेत्र में पुनरुद्धार प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संबंधी पाबंदियों में ढील मिलने से भी उपभोक्ता खर्च करने के लिए तैयार हैं। कंपनियों ने 2022 में अब तक बिक्री और गतिविधियों में सबसे तेज विस्तार देखा हालांकि मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के कारण कारोबारी विश्वास अभी कमजोर बना हुआ है। बीते 11 साल में लागत सबसे तेजी से पिछले वित्त वर्ष के अंत में बढ़ी हालांकि कंपनियों ने ज्यादातर भार स्वयं पर लिया और कीमतों में मामूली वृद्धि ही की। सर्वे में कहा गया कि मुद्रास्फीति अनुमानों के कारण मार्च में कारोबारी विश्वास कमजोर बना रहा। वृद्धि की संभावनाओं से कंपनियां उत्साहित जरूर हैं सर्वे में कहा गया कि मुद्रास्फीति अनुमानों के कारण मार्च में कारोबारी विश्वास कमजोर बना रहा। वृद्धि की संभावनाओं से कंपनियां उत्साहित जरूर हैं लेकिन ऐतिहासिक आंकड़ों के संदर्भ में धारणा नरम रहीं। इस बीच समग्र पीएमआई उत्पादन सूचकांक मार्च में 54.3 रहा। फरवरी में यह 53.5 था। यह इस साल विस्तार की सबसे मजबूत दर को दर्शाता है।

वर्से इनोवेशन ने 6 हजार करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । स्थानीय भाषा प्रौद्योगिकी मंच वर्से इनोवेशन ने विभिन्न निवेशकों की ओर से आयोजित वित्तपोषण राउंड में 80.5 करोड़ डॉलर (6,070 करोड़ रुपए से अधिक) जुटाए हैं। वर्से इनोवेशन कंटेंट एवं समाचार मंच डेलीहंट तथा शॉर्ट वीडियो ऐप जोश की मातृ कंपनी है। वर्से इनोवेशन ने बुधवार को कहा कि कनाडा पेंशन प्लान निवेश बोर्ड, ओंटेरियो टीचर्स पेंशन प्लान बोर्ड, लक्सर कैपिटल, सुमेरु वेंचर्स और अन्य की ओर से आयोजित वित्तपोषण राउंड में उसने 80.5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इस वित्तपोषण के साथ कंपनी का मूल्यांकन पांच अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

मारुति सुजुकी इसी म हिने बढ़ाएगी वाहनों की कीमतें

नई दिल्ली । कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) निर्माण लागत बढ़ने के कारण इस महीने अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि बीते एक वर्ष से कंपनी के वाहनों की लागत लगातार बढ़ रही है। इसलिए कंपनी को कीमत में वृद्धि के जरिए इसका कुछ भार ग्राहकों पर डालना पड़ेगा। कंपनी वाहनों की कीमतें अप्रैल में बढ़ाएगी और विभिन्न मॉडल के लिए दामों में वृद्धि भी अलग-अलग होगी। कीमतें कितनी बढ़ाई जाएगी इस बारे में कंपनी ने कोई जानकारी नहीं दी। लागत वृद्धि के कारण जनवरी 2021 से मार्च 2022 तक मारुति लागत जनवरी 2021 से मार्च 2022 तक मारुति सुजुकी के वाहनों की कीमत करीब 8.8 फीसदी तक बढ़ाई जा चुकी है।

कृषि निर्यात 2021-22 में 50 अरब डॉलर से ऊपर : वाणिज्य विभाग

नई दिल्ली।

समुद्री और बागवानी उत्पादों सहित देश से कृषि उत्पादों का निर्यात वर्ष 2021-22 में 50 अरब डॉलर को पार कर गया है जो एक नया कीर्तिमान है। वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, कृषि निर्यात 2021-22 के दौरान 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वर्ष 2020-21 में इस क्षेत्र में 17.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कृषि निर्यात 41.87 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भाड़ा ऊंचा होने, कंटेनर की कमी तथा लाजिस्टिक्स के क्षेत्र में अभूतपूर्व चनौतियों के बावजूद निर्यात में यह वृद्धि उल्लेखनीय है। बयान में कहा गया है कि पिछले दो वर्ष से कृषि निर्यात अच्छा चल रहा है और इससे किसानों की आय दो गुना करने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य की ओर बढ़ने में बड़ी मदद मिलेगी। सरकारी बयान के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में चावल (9.65 अरब डॉलर), गेहूं (2.19 अरब डॉलर), चीनी (4.6 अरब डॉलर) और अन्य अनाज (1.08 अरब डॉलर) का निर्यात नयी ऊंचाइयों पर रहा। गेहूं के निर्यात में सालाना आधार पर 273 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है। 2020-21 में गेहूं का निर्यात 56.8 करोड़ डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि इन उत्पादों के निर्यात में वृद्धि से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के किसानों को लाभ हुआ है। मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र आदि। भारत ने चावल के लिए विश्व बाजार के लगभग 50 प्रतिशत पर कब्जा कर लिया है। वर्ष के दौरान समुद्री उत्पादों का निर्यात भी रिकॉर्ड 7.71 अरब डॉलर के बराबर रहा। इससे तटीय राज्यों पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात के किसानों को लाभ हुआ है। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार मसालों का निर्यात लगातार दूसरे साल बढ़ा और 2021-22 में चार अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारी आपूर्ति पक्ष की चुनौतियों के जिससे कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में कॉफी उत्पादकों की आमदनी में सुधार हुआ है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि उसके अंतर्गत काम कर रही निर्यात प्रोत्साहन एजेंसियों जैसे एपीडा, एमपीईडीए और विभिन्न कमोडिटी बोर्ड देश से कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने के लिए ।

डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह सबसे अमीर रियल एस्टेट उद्यमी, लोढ़ा दूसरे स्थान

नयी दिल्ली । डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह देश के सबसे अमीर रियल एस्टेट उद्यमी हैं। उनकी कुल संपदा 61,220 करोड़ रुपये है। इसके बाद मैक्रोटेक डेवलपर्स के एम पी लोढ़ा और उनका परिवार 52,970 रुपये की संपदा के साथ दूसरे स्थान पर है। हुरुन और ग्रोहे इंडिया ने बुधवार को 'ग्रोहे हुरुन इंडिया रियल एस्टेट रिच लिस्ट का पांचवां संस्करण जारी किया है। यह देश के धनाढ्य रियल एस्टेट कारोबारियों की सूची है। यह सूची संबंधित रियल एस्टेट कारोबार के नेटवर्थ में उनके स्वामित्व के हिस्से पर आधारित हैं। संपदा की गणना 31 दिसंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में डीएलएफ के राजीव सिंह की संपत्तियों में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और वह शीर्ष पर हैं। हालांकि, एम पी लोढ़ा और उनके परिवार की संपत्ति पिछले एक साल में 20 फीसदी बढ़कर 52,970 करोड़ रुपये हो गई, लेकिन वह सूची में दूसरे स्थान पर हैं वहीं 26,290 करोड़ रुपये की संपत्तियों के साथ चंदू रहेजा और के रहेजा का परिवार सूची में तीसरे स्थान पर है एम्बैसी ग्रुप के जितेंद्र विरवानी 23,620 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं। सूची में इसके बाद क्रमश ओबेरॉय रियल्टी के विकास ओबेरॉय (22,780 करोड़ रुपये), हीरानंदन कम्युनिटीज के निरंजन हीरानंदानी (22,250 करोड़ रुपये), जी अमरेंद्र रेड्डी एवं जीएआर कॉरपोरेशन परिवार (15,000 करोड़ रुपये) का स्थान है।

कोरिया ओपन : सिंधू और श्रीकांत प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सुनचियोन । भारत के शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और पुरुष वर्ग से किदांबी श्रीकांत कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर में पहुंच गये हैं। इन दोनो ने ही अपने पहले दौर के मुकाबले आसानी से जीत लिए। सिंधू ने अमेरिका के लॉरेन लैम को 21-15 21-14 से हराया जबकि श्रीकांत ने मलेशिया के डेरेन ल्यू को 22-20 21-11 से हराया। सिंधू का सामना अब दूसरे दौर में जापान की आया ओहोरी से होगा जबकि श्रीकांत का मुकाबला इजराइल के मिशा जिल्बरमैन से होगा। इसके अलावा युवा लक्ष्य सेन और मालविका बंसोड़ ने भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी ने भी कोरिया के बा डा किम और ही यंग पार्क की कोरिया की जोड़ी के खिलाफ वाकओवर के साथ ही दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अर्जुन और कपिला का सामना अब अगले दौर में मोहम्मद अहसन और हेंद्रा सेतियावान की इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

ग्रां प्री शतरंज

नाकामुरा को हराकर वेसली सो ने जीता बर्लिन ग्रां प्री शतरंज का खिताब

बर्लिन ।

फीडे ग्रां प्री श्रृंखला के अंतिम टूर्नामेंट बर्लिन ग्रां प्री का समापन यूएसए के वेसली सो के विजेता बनने के साथ हो गया ,फाइनल टाईब्रेकर मैच में, वेसली नें हमवतन हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 के स्कोर से पराजित करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । हालांकि इस खिताब के बाद भी वेसली फीडे कैंडिडेट्स के लिए चयनित नहीं हो पाये है हालांकि किसी खिलाड़ी के हटने की स्थिति मे उन्हे स्थान दिया जा सकता है । वहीं फाइनल मैच में हार के बावजूद, हिकारू नाकामुरा ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2022 के लिए अपनी जगह पहले ही तय कर ली थी और वह 23 अंको के साथ ग्रां प्री सीरीज़ 2022 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे । हंगरी के रिचर्ड रैपोर्ट20 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे और उन्होंने भी औपचारिक तौर पर कैंडिडेट्स में अपना स्थान बना लिया , जबकि वेस्ली सो ने सीरीज में तीसरा स्थान हासिल किया। वेसली और नाकामुरा के बीच पहले टाईब्रेकर गेम में सफेद मोहरो से खेलते हुए हिकारू ने बिशप ओपनिंग खेली और वेसली को पूरी तरह से चौंका दिया था टाईब्रेकर गेम में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए हिकारू ने बिशप ओपनिंग खेली और वेसली को पूरी तरह से चौंका दिया था और एक समय वह जीतते नजर आ रहे थे पर वेसली बचाव करने में कामयाब रहे और 56 चालों में मैच बराबरी पर खत्म हुआ दूसरे मैच में, वेसली सफ़ेद मोहरो से खेल रहे और राय लोपेज बर्लिन डिफेंस खेला गया और वेसली शुरुआत से ही बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे पर जीत दूर थी पर जैसे ही खेली की 32 वीं चाल में हिकारू ने 32ज्ञ6 की एक भयानक गलती की और वेसली बहुत अच्छी स्थिति में आ गए और 65 चालों में नाकामुरा नें हार स्वीकार कर ली ।

फिंच के अर्धशतक से ऑस ट्रेलिया ने टी20 मुकाबले में पाक को हराया

लाहौर ।

ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एरॉन फिंच के शानदार अर्धशतक की सहायता से पाकिस्तानी को एकमात्र टी20 मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने कप्तान बाबर आजम के अर्धशतक 66 रनों की सहायता से 8 विकेट पर 162 रन बनाए। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यह लक्ष्य सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान फिंच ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाये जबकि ट्रेविस हेड ने 26 , जोश इंगलिस ने 24 रनों का योगदान दिया। इस मैच में पहले बल्ले लेबाजी करते हुए मेजबान पाक टीम की ओर से आजम ने 46 गेंदों पर 66 रन बनाये। उनके अलावा सलामी बल्ले लेबाज मोहम्मद रिजवान ने भी 19 गेंदों पर 23 रन और खुशदिल शाह ने 21 गेंदों पर 24 रनों की अहम पारी खेली। इनके अलावा कोई भी अन्य बल्ले लेबाज 20 रन तक भी नहीं पहुंच पाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी रही पर फिंच और हेड के आउट होने के विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। ऐसे में अन्य बल्लेबाज ने पारी संभाली स्टोइनिस ने 23 रन और बेन मैकडरमोट ने 22 रन बनाये। पाक की ओर से केवल तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ही सफल रहे। इस तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं मोहम्मद वसीम ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा उस्मान कादिर ने 2 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा।

आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंची आरसीबी , रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) आईपीएल के 15 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स को चार विकेट से हराकर अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंची गयी है। आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी जीत है। अभी तक इस सत्र में अधिकतर टीमों ने 3 मैच खेले हैं। इस आधार पर पहले से छठे स्थान तक वाली सभी 6 टीमों के 4 अंक ही है। ऐसे में बेहतर रन रेट (1.218) के कारण राजस्थान टीम हार के बाद भी शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं दूसरे स्थान पर (0.843) रन रेट के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स है। नई टीम गुजरात टाइटंस (0.495) के साथ ही तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर पंजाब किंग्स (0.238) है, नई लखनऊ सुपर जायंट्स (0.193) और छठे स्थान पर आरसीबी (0.159) है। दिल्ली (0.065) 2 अंक के साथ 7वें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं सबसे ज्यादा बार खिताब विजेता मुंबई इंडियंस (-1.029)और चेन्नई सुपर किंग्स (-1.251) के लिए यह सत्र अच्छा नहीं रहा है ओर ये दोनो ही टीमें एक भी मुकाबला नहीं जीतने के कारण अपना खाता भी नहीं खोल पायी हैं। इस प्रकार दोनो ही 8वें और 9वें स्थान पर है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद (-1.825) के साथ ही 10वें स्थान पर खिसक गयी है। राजस्थान के जोस बटलर 3 मैचों में सबसे ज्यादा 205 रन बनाकर ओरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं जबकि 3 मैचों में सबसे अधिक 8 विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में उमेश यादव शीर्ष पर बने हुए हैं।

सीपीएल के लिए सभी टीमों ने रीटेन किये खिलाड़ियों के नाम घोषित किये

मुम्बई ।

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के नए सत्र के लिए सभी 6 टीमों ने रीटेन और साइन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इससे बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की टीम त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है जबकि आंद्रे रसेल से करार किया है। । इस प्रकार अब ये दोनो स्टार खिलाड़ी एक टीम से खेलते हुए नजर आयेंगे। त्रिनबागो ने रसेल के अलावा निकोलस पूरन को भी अपने साथ जोड़ा है। इसके अलावा सुनील नरेल, अकील हुसैन, जायडन सील्स और टिऑन वेब्स्टर को भी बरकरार रखा है। टीम ने कुल 7 खिलाड़ियों को शामिल किया है। वहीं दूसरी ओर सेंट किट्स ने कप्तान ड्वेन ब्रावो के अलावा एविन लुईस, शेल्डन कॉट्रेल, शेरफेन रदरफोर्ड और डॉमिनिक ड्रेक्स को बरकरार रखा है। इसके अलावा डैरेन ब्रावो और आंद्रे फ्लेचर से करार किया है। बारबाडोस रॉयल्स ने जेसन होल्डर, काइल मेयर्स, हेडन वॉल्श, ओशाने थॉमस और एन यंग को बरकरार रखा है , इसके साथ ही ओबेड मैक्कॉय और डेवॉन थॉमस से करार किया है। सेंट लूसिया ने रोस्टन चेस, के विलियम्स, अलजारी जोसेफ और जे रॉयल को बरकरार रखा है।

इसके अलावा जॉनसन चार्ल्स और मार्क दयाल से करार किया है। अलजारी जोसेफ और जे रॉयल को बरकरार रखा है। इसके अलावा जॉनसन चार्ल्स और मार्क दयाल से करार किया है। जमैका ने रोवमैन पॉवेल, को बरकरार रखा है। केनार लुईस और शेमराम ब्रुक्स को बरकरार रखा है। फेबियन एलेन और ब्रेंडन किंग से करार किया है जबकि गयाना ने शिमरोन हेटमायर, ओडियन स्मिथ, रोमारिया शेफर्ड, चंद्रपाल हेमराज को रीटेन किया है, जबकि कीमो पॉल को भी बड़ी राशि देकर शामिल किया है।

संक्षिप्त समाचार

नॉर्त्जे, वॉर्नर और स्टॉयनिस खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ गुरुवार को होने वाले आईपीएल के 15वें मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन दोनो को ही दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था पर वार्नर पाक दौरे पर होने के कारण अब तक क्वारंटीन में थे , वहीं चोटिल हुए नॉर्त्जे अब पूरी तरह से ठीक हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वॉटसन ने कहा, 'वॉर्नर अब क्वारंटीन से बाहर आ गए हैं। ऐसे में वह अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा, 'नार्त्जे जब से भारत पहुंचे हैं, तभी से वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। वह फिटनेस जांच में भी पास हो गये हैं और अब चयन के लिए उपलब्ध हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम में टिम सेफर्ट की जगह वॉर्नर को शामिल किया जाएगा जबकि नॉर्त्जे को रखने के कारण रोवमन पॉवेल या मुस्तफिजर रहमान में से किसी एक को बाहर जाना होगा।

आईसीसी के अगले चेयरमैन बन सकते हैं गांगुली या शाह

दुबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली और बोर्ड सचिव जय शाह को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले चेयरमैन पद के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं आईसीसी के वर्तमान चेयरमैन ग्रेग बार्कले अब आगे इस पद पर नहीं रहना चाहते हैं। बार्कले नवंबर 2020 से ही आईसीसी अध्यक्ष हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, गांगुली और जय शाह दोनों ही आईसीसी अध्यक्ष बनना चाहते हैं। इससे पहले भारत से जगमोहन डालमिया , शरद पवार , एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी चेयरमैन रहें हैं। आईसीसी के मौजूदा चेयरमैन बार्कले ऑकलैंड में व्यावसायिक वकील हैं। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पेशेवर प्रतिबद्धता को देखते हुए बार्कले अपने कार्यकाल को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं ।

सीएसके के खिलाफ मैच में टीम से जुड़ेंगे हेजलवुड

मुंबई । आईपीलएल के 15वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को अभी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के खेलने का इंतजार करना होगा। हेजलवुड अभी तक आरसीबी की टीम से नहीं जुड़े हैं और उनके कम से कम एक सप्ताह तक उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। इस तेज गेंदबाज के 12 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहने की संभावनाएं हैं। पाक दौरे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे हेजलवुड अब अगले कुछ दिनों में टीम से जुड़ेंगे पर चयन के लिए उपलब्ध होने से पहले उन्हें तीन दिन तक के लिए पृथकवास में रहना होगा। अब तक की जानकारी के अनुसार हेजलवुड अगले कुछ दिनों में टीम से जुड़ेंगे। वह अन्य खिलाड़ियों की तरह पाक दौरे के बाद सीधे ही अपनी टीम टीम से नहीं जुड़े थे ।

आजम, ब्रेथवेट और कमिंस मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए नामांकित

महिला वर्ग से सोफी , राचेल और लौरा शामिल

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रेथवेट और ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को नामांकित किया गया है। इन तीनों ने हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं महिला वर्ग में इंग्लैंड की गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन, ऑस्ट्रेलिया की राचेल हेन्स और दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट के नाम शामिल किये गये हैं। इस पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा अगले सप्ताह की जाएगी। पाक कप्तान बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में हुई सीरीज मे शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने इस महीने में टेस्ट में 390 रन बनाए, जिसमें दूसरे टेस्ट में रिकॉर्ड 196 रनों की पारी भी शामिल है। उनकी इस पारी से पाकिस्तान मैच ड्रॉ कराने में भी सफल रहा। उन्होंने मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 57 और 114 रन बनाकर टीम की बल्लेबाजी को बेहतर किया था। वहीं दूसरे एकदिवसीय में उनकी शतकीय पारी से पाकिस्तान ने 349 रनों के लक्ष्य को हासिल किया था। वह दूसरी बार इस पुरस्कार के लिए नामित हुए है और अप्रैल 2021 में इस खिताब को जीत चुके है। वहीं वेस्टइंडीज के कप्तान ब्रेथवेट ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई सफल डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप) श्रृंखला के दौरान 85.25 की औसत से 341 रन बनाए थे। उन्होंने इस दौरान दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के बड़े स्कोर के बाद 489 गेंदों में 160 रन बनाकर अपनी टीम को हार से बचाया था। कमिंस ने पाकिस्तान में डब्ल्यूटीसी टेस्ट श्रृंखला के दौरान विपरीत हालातों में अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया था। बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में पहली पारी में 56 रन देकर 5 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 23 रन देकर तीन विकेट लिए और टीम की जीत पक्की की। तीन मैचों की श्रृंखला में 22.50 की औसत से 12 विकेट लेने के कारण वह पहली बार इस पुरस्कार के लिए नामांकित हुए है। महिलाओं की श्रेणी में, एक्लेस्टोन को उनकी शानदार गेंदबाजी के बाद दूसरी बार नामांकित किया गया। उन्होंने अपनी टीम को विश्व कप के फाइनल में पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। इस महीने उन्होंने 12.85 की औसत से 20 विकेट लिए। इस विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने में हेन्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस दौरान आठ मैचों में 61.28 की औसत और 84.28 की शानदार स्ट्राइक रेट से 429 रन बनाए जबकि वोल्वार्ड्ट के शानदार प्रदर्शन के कारण ही दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। वह पांच अर्धशतक के साथ ही 433 रन बनाकर टूर्नामेंट के दौरान सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल रही हैं।

राजस्थान रॉयल्स को लगा झटका, टूर्नामेंट से बाहर हुआ धमाकेदार प्लेयर

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। उनके तेज गेंदबाज नाथन कूल्टर नाइल को टूर्नामेंट के शेष भाग से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने अपने शुरुआती मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस सीजन में रॉयल्स के लिए केवल एक मैच खेला। तेज गेंदबाज को उस खेल में ही चोट लगी थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह अगले दो मैचों में नहीं खेले और अंततः टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उस मैच में कूल्टर-नाइल ने अपने तीन ओवरों में 48 रन देकर यादगार शुरुआत नहीं की। राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने ऑस्ट्रेलिया के इस तेज गेंदबाज को विदाई देने की खबरों का खुलासा किया। उन्होंने लिखा, हम फिर मिलेंगे, एनसीएन। शीघ्र ठीक हो जाओं। राजस्थान रॉयल्स ने मेगा नीलामी में कुल्टर-नाइल को उसके 2 करोड़ रुपए के बेस प्राइज पर खरीदा था। फ्रैंचाइजी ने अभी तक किसी भी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है और वह कूल्टर-नाइल के लिए समान खिलाड़ी की तलाश करने के लिए उत्सुक होगी। इस बीच रॉयल्स ने आईपीएल 2022 में अब तक तीन में से दो मैच जीतकर अच्छी शुरुआत की है। उन्होंने अपने शुरुआती मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 61 रनों से हराया और पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ 23 रनों से जीत हासिल की। दोनों मैचों में राज्सथान के बल्लेबाजों ने स्वतंत्र रूप से रन बनाए और जोस बटलर ने भी एमआई के खिलाफ शतक बनाया। गेंदबाजों ने भी विपक्षी बल्लेबाजों को प्रतिबंधित करने के लिए कदम बढ़ाया और अंततः दोनों मैचों में राज्सथान के बल्लेबाजों ने स्वतंत्र रूप से रन बनाए और जोस बटलर ने भी एमआई के खिलाफ शतक बनाया। गेंदबाजों ने भी विपक्षी बल्लेबाजों को प्रतिबंधित करने के लिए कदम बढ़ाया और अंततः टीम को अपने दोनों मैच जीतने में मदद की। हालांकि वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ कुल 169 रनों का बचाव नहीं कर पाए।

भारत के चार मुक्केबाज थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ।

भारतीय मुक्केबाज आशीष कुमार, गोविंद साहनी, वरिंदर सिंह और मोनिका ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में जीत के साथ बुधवार को थाईलैंड ओपन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह पक्की की। पिछले सत्र में 75 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले आशीष ने उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन करते हुए 81 किग्रा के सेमीफाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया के मखायल रॉबर्ट मुस्किता पर 5-0 से आसान जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। पुरुषों के 48 किग्रा वर्ग में गोविंद को वियतनाम के गुयेन लिन फुंग के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इस मुकाबले में दोनों मुक्केबाजों ने एक-दूसरे पर कई प्रहार किये लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 4-1 के खंडित फैसले से जीत दर्ज की। पुरुषों के 60 किग्रा सेमीफाइनल में वरिंदर को फिलिस्तीन के अब्देल रहमान अबुनाब ने वाकओवर दिया। महिलाओं में पिछले दौर में दो बार कीविश्व चैंपियनशिप पदक विजेता जोसी गैबुको को हराने वाली 26 वर्षीय मोनिका ने सेमीफाइनल में वियतनाम की ट्रान थी दीम कीउ को आसानी से मात देकर 48 किग्रा के फाइनल में जगह बनायी। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता जोसी गैबुको को हराने वाली 26 वर्षीय मोनिका ने सेमीफाइनल में वियतनाम की ट्रान थी दीम कीउ को आसानी से मात देकर 48 किग्रा के फाइनल में जगह बनायी। इस बीच दिन में पहले खेले गए मुकाबलों में पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में अमित पंघाल ने जीत दर्ज की, जबकि रोहित मोर (57 किग्रा) थाईलैंड के रुजाक्रान जुट्रोंग से 0-5 से हार गए। विश्व चैंपियनशिप (2019) में रजत पदक विजेता पंघाल ने पुरुषों के 52 किग्रा में सर्वसम्मति निर्णय से थाईलैंड के थानाकोन अयोन्याम के खिलाफ आसान जीत हासिल की। भाग्यवती कचारी ने भी थाईलैंड की एक अन्य प्रतिद्वंद्वी पोर्ननिपा चुटी को 5-0 से हराकर महिलाओं के 75 किग्रा सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

हवाना में एक अभ्यास सत्र के दौरान मुक्केबाजी का अभ्यास करते हुए खिलाड़ी

किसके दबाव में मनपा के अधिकारी गैरकायदेसरता की सीमा पारकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं?

गुजरात में बड़े तपके पर चल रहें अवैध बांधकाम के भ्रष्टाचार को गुजरात के विकास का मॉडल बताया जाता हैं

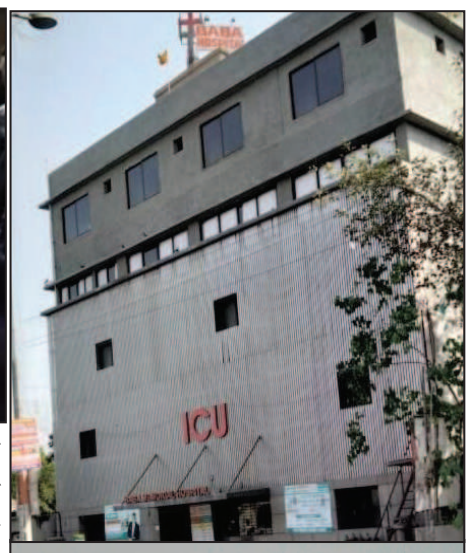

सूरत भूमि, सूरत। शहर के लिंबायत जोन में कार्यरत अधिकारियों को अपने अपने विस्तार में सोसायटी की सीयूपी व मार्जिंग की जगहों में गैरकायदेसर बांधकाम करने के लिए सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा खुली छूट दे दी गई है। लोगों का ऐसा मानना है की गुजरात में काफी वर्षों से संविधान सिर्फ नाम के लिए रहता हैं ? जब से यह सरकार हैं तब से गुजरात में दारूबंदी में दारू की छुट यहा तक कि अरजी करनेवाले को ही सजा दिया जाता हैं। बी.एम.सी के नियम मात्र भ्रष्टाचार के लिए हैं मनाई हुकम और नोटीस देकर सिर्फ अधिकारी और नेता अपनी तिजोरी भरने के लिए बी.एम.सी के नियमों का उल्लेख करते हैं। प्लास्टीक बंदी का नियम लगाकर छोटे मोटे दुकारदारों से जमकर दंड वसूली करते हैं और दारू के अड्डे पर कुन्टलो कुन्टल प्लास्टीक का ढ़ेर लगा रहता हैं। ऐसा भी देखने में आता हैं, कि बुटलेगर एस.एम.सी की जमीन में ही दारू बेचता हैं, जिसका लाखों रूपए महिनें का भाड़ा भी देता हैं। चाहे इसे गांधी के गुजरात में गांधी के तीन बंदर कहो या तीन तरह का भ्रष्टाचार फिलहाल इस समय गुजरात में बेरोजगारी दूर करने को लिए शहर में जहाँ कही भी गैरकायदेसर बांधकाम करवाया जा रहा हैं, उसका व्यवहार वितरण बेरोजगार दबंगो से करवाया जे रहा हैं जिसकी दलाली खुद अधिकारी करते हैं। लगता हैं अधिकारी भी हकिकत में पढ़ लिख कर योग्यता के आधार पर नहीं भर्ती हूए हैं यह आरक्षण की देन हैं इसलिए आई.ए.एस. तथा सिविल इन्जीनियर कैटेगरी के अधिकारी को शहर के बेरोजगार दबंग लोग व सत्ता पक्ष के नेता जैसे चाहते हैं वैसे कान पकड़ के घुमाते हैं। यह कैसी मजबुरी हैं समझ में नहीं आता शहर के लिंबायत जोन के नाको तले भगवान के नाम से बना नारायण नगर में अवैध बांधकाम का ढ़ेर लगा हुआ हैं।

क्या इसे गुजरात का विकास मॉडल कहेंगें या भ्रष्टाचार मॉडल... ?

उभरते कलाकारों ने केएफसी के बकेट कैनवस पर दर्शाई भारतीय शहरों की विशिष्टताएं

देशभर में अपने स्वादिष्ट चिकन से लोगों का दिल जीतते हुए और विकास की राह पर आगे बढ़ते हुए, केएफसी इंडिया ने देश भर में 600 रेस्टोरेंट का पड़ाव पार कर लिया है। इस खास मौके पर ब्रांड ने #KFCBucketCanvas अभियान लॉन्च किया है। इस अभियान में देशभर से उभरतेकलाकारों को साथ लाया गया, जिन्होंने हर उस शहरजहां केएफसी रेस्टोरेंट है, से प्रेरित होकर केएफसी बकेट के लिए अनूठी डिजाइन बनाई है। भारत के विभिन्न शहरों की कला, वास्तुकला और सांस्कृतिक तत्वों से प्रेरणा लेकर तैयार किए गए ये 150 बकेट सभी केएफसी रेस्टोरेंट में रखे गए हैं। केएफसी के प्रशंसक अपने नजदीकी केएफसी रेस्टोरेंट में इन अनोखे बकेट्स के साथ अपने शहर की खूबसूरती को अनुभव कर सकते हैं। साथ ही about.kfc.co.in/bucketcanvas/पर इन डिजाइन के पीछे छुपी प्रेरणा और इनको बनाने वाले कलाकारों के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। और तो और, अपने शहर की बकेट डिजाइन आप डाउनलोड और दोस्तों के साथ शेयर भी कर सकते हैं!

केएफसी बकेट परशहरों की खूबसूरती दर्शाने की इस अनूठी पहल पर केएफसी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, मोक्ष चोपड़ा ने कहा, च्भारत में केएफसी का सफर शानदार रहा है। इस समय 150 से ज्यादा शहरों में 600 रेस्टोरेंट के जरिये ब्रांड सभी को लुभा रहा है। ऐसे में इस पल को यादगार बनाने के लिए, देश के हर कोने से उभरते कलाकारों को साथ लाने से बेहतर क्या हो सकता था। अनूठीकेएफसी बकेट उनके लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और 150 खास डिजाइन के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों की विविधता को दिखाने का कैनवस बन गया है। इन कलाकारों ने हमें आश्चर्यजनक रूप से प्रभावित किया है और हमें खुशी है कि हम ऐसी प्रतिभाओं को सबके सामने लाने का माध्यम बने। हम चाहेंगे कि आप इन शानदार बकेट चित्रकारियों का आनंद रेस्टोरेंट पर या जाकर जरूर लें।' केएफसी ऑनलाइन

फ्लिपकार्ट ने हेल्थकेयर सेक्टर में ब्रांड न्यू फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ऐप की

भारत के घरेलू फ्लिपकार्ट समूह के डिजिटल हेल्थकेयर मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ने आज फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ऐप लॉन्च करने की घोषणा की, जो एक ऐसा टेक-प्लेटफॉर्म है जो देश भर के लाखों ग्राहकों के लिए उपयुक्त दवाओं और स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों एवं सेवाओं तक पहुंच को सक्षम बनाता है। भारत में 20,000 पिन कोड में ग्राहकों की सेवा करने के उद्देश्य से, फ्लिपकार्ट हेल्थ+ अपने फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ऐप के माध्यम से स्वतंत्र विक्रेताओं से गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों की उपलब्धता को आसान व सुविधाजनक बनाएगा।

फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ऐप के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, श्री प्रशांत झावेरी, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफीसर फ्लिपकार्ट हेल्थ+ ने कहा, "कोविड-19 महामारी के बाद से, भारतीयों ने ध्यान दिया जा रहा है। फ्लिपकार्ट हेल्थ+ के माध्यम से, हमारा लक्ष्य देश भर में उपयुक्त दवाओं और स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों एवं सेवाओं तक पहुंच के महत्वपूर्ण अंतर को कम करना है, विशेष रूप से देश के दूरदराज के हिस्सों में जो उचित दवाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं से अभी भी वंचित हैं। हम इस तरह से प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना चाहते हैं जो हेल्थ केयर इकोसिस्टम को मजबूत करे और देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए भी स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को आसान बनाकर ग्राहकों की बेहतर सेवा करने में सक्षम हो और एक स्वस्थ भारत की दिशा में योगदान दे।"

फ्लिपकार्ट ग्रुप की देशव्यापी पहुंच तथा लास्ट माइल डिलीवरी जैसी उन्नत सुविधाओं के कारण फ्लिपकार्ट हेल्थ+ संपूर्ण भारत में ग्राहकों की सेवा करने में सक्षम होगा, इसके साथ ही सस्तासुन्दर.कॉम के मजबूत हेल्थकेयर नेटवर्क की विशेषज्ञता और अनुभव से भी लाभ प्राप्त होगा।

स्मॉलकेस 50 लाख यूजर्स के साथ भारत में सबसे तेजी से बढ़ते इन्वेस्टमेंट प्लेटफार्मों में से एक बन गया है

बेंगलुरु। स्मॉलकेस, भारत का एक अग्रणी डायरेक्ट इंडेक्सिंग और मॉडल पोर्टफोलियो प्लेटफॉर्म, जो रीटेल इन्वेस्टर तक पहुँच बनाता है, ने आज घोषणा की कि इस प्लेटफॉर्म पर 50 लाख यूजर्ससे ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है साथ ही पिछले साल की अपेक्षाकृत इस साल ट्रांजेक्शन में 350त्न का इजाफा भी हुआ है।

गैर-मेट्रो यूजर प्लेटफॉर्म के लिए ग्रोथ का एक मुख्य कारण रहे हैं, जिसमें लगभग 75त्न छोटे यूजर छोटे शहरों से आते हैं, जो देश भर के इक्विटी इन्वेस्टर्स की रुचि को दर्शाते हैं।

स्मॉलकेस 350 से भी ज्यादा बिजनेस में इंडस्ट्री बिल्डिंग टेक्नोलॉजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान कर लोगों को स्मॉलकेस नामक सरल और पारदर्शी प्रोडक्ट्स में इन्वेस्ट करने में मदद करता है। स्मॉलकेस स्टॉक और ईटीएफ के मॉडल पोर्टफोलियो हैं जो एक विशिष्ट थीम, स्ट्रैटिजी याऑब्जेक्टिव के अनुसार प्रोफेशनल रूप से व्यवस्थित और समझदारी से प्रभावित होते हैं। 200 से अधिक लाइसेंस प्राप्त रिसर्च और अड्वाइज़री फर्म से निर्मित विभिन्न प्रकार के स्मॉलकेस की पहुँच में ऐसेट एलोकेशन, फैक्टर बेस्ड, थीमैटिक, सेक्टोरल, विशेष परिस्थितियों और अन्य शामिल है।कुछ सबसे लोकप्रिय स्मॉलकेस में ऑल वेदर इन्वेस्टिंग (4 ईटीएफ की एक बास्केट जो इक्विटी, गोल्ड और निश्चित आय के रूप में विविधीकरण प्रदान करती है), शीर्ष 100 स्टॉक, डिविडेंड एरिस्टोक्रेट्स, राइजिंग रूरल डिमांड, स्पेशलिटी केमिकल्स,मोमेंटम स्ट्रेटेजिस शामिल हैं।

स्मॉलकेस के फाउन्डर और सीईओ वसंत कामथ ने कहा, "भारत बचतकर्ताओं के देश से इन्वेस्टर का देश बनने जा रहा है और पिछले कुछ वर्षों में इक्विटी में रीटेल इन्वेस्टर की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हमने भारतीयों के इन्वेस्टमेंट को सरल, पारदर्शी और पर्सनल बनाकर मौलिक रूप से बदलने के इरादे के साथ स्मॉलकेस लॉन्च किया। स्मॉलकेस ने लाखों इन्वेस्टर्स को सशक्त बनाया है, जिससे उन्हें प्रोफेशनल रूप से मैनेज्ड पोर्टफोलियो की एक बहुत बड़ी रेंज तक पहुंच दी गई है। पिछले 18 महीनों में हमारे लिए कुछ प्रमुख डेवलपमेंट कारणों में एक सहज और आनंददायक इन्वेस्टमेंट अनुभव, असाधारण और कॉस्ट इफेक्टिव प्रोडक्ट और स्मॉलकेस के आसपास बनने वाला और एक तेजी से बढ़ने वाला इकोसिस्टम शामिल है।"

जेरोधा, अपस्टॉक्स, एचडीएफसी सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज, एक्सिसडायरेक्ट, ग्रो सहित 14 प्रमुख ब्रोकरेज अपने प्लेटफॉर्म पर स्मॉलकेस को एक मुख्य ऑफरिंग की तरह पेश करते हैं। इनमें से किसी भी ब्रोकरेज के साथ ट्रेडिंग और डीमैट खाते वाला इन्वेस्टर एकविविध, दीर्घकालिक पोर्टफोलियो बनाने के लिए कुछ ही क्लिक में स्मॉलकेस में इन्वेस्ट करना शुरू कर सकता है।

विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के लिए गुजरात स्थित अल्ट्राकैब (इंडिया) लिमिटेड कंपनियों से सम्मानित आदेश प्राप्त

नवी मुंबई, । गुजरात स्थित अल्ट्राकैब इंडिया लिमिटेड ने मुंबई स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया है कि उसे विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से प्रस्ताव मिले हैं। सम्मानित आदेश प्राप्त हुआ। इनमें गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कंपनी लिमिटेड भी शामिल है। (GSECL), दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड, गुजरात नर्मदा फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड (जीएनएफसीएल), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड। (एचएएल), राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड 7 अल्ट्राकैब भारत में बिजली के तारों और केबलों का एक प्रमुख निर्माता और निर्यातक है। वह 3 साल से इस क्षेत्र में हैं 7 सक्रिय है। गुजरात स्थित कंपनी इंस्ट्रुमेंटेशन केबल्स, लिफ्ट केबल्स, उच्च तापमान ऑटोमोटिव केबल्स एन यूएस स्वीकृत केबल के उत्पादन में माहिर हैं। विद्युत उद्योग में कंपनी के विनिर्माण कौशल और तकनीकी विशेषज्ञता ने उन्हें दुनिया भर में एक मजबूत बाजार उपस्थिति स्थापित करने में सक्षम बनाया है। उनके गुणवत्ता वाले उत्पाद न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में निर्यात किए जाते हैं। वे निर्माण प्रक्रिया के दौरान सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। एक बार जब कोई उत्पाद सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उसकी प्रबंधन टीम द्वारा तैयार किया जाता है 7 इसकी बारीकी से जांच की जाती है। एक बार उत्पाद स्वीकृत हो जाने के बाद, इसे ग्राहक के उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में विपणन किया जाता है,ले जाया जाता है। उनकी नवीनतम और सबसे परिष्कृत विनिर्माण सुविधा शापर (राजकोट, गुजरात) भारत में स्थित है। उनका सभी सुविधाओं में अत्याधुनिक तकनीक, उपकरण, उच्च तकनीक वाली मशीनें शामिल हैं जो केबल की सर्वोत्तम गुणवत्ता के लिए मानक निर्धारित करती हैं। अल्ट्राकैब की दृष्टि तारों और केबलों के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति के साथ सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली कास्टिंग और नए उत्पाद आविष्कार विकसित करना है। उद्योग में एक नेता बनने के लिए। अल्ट्राकैब तारों और केबलों की सर्वोत्तम गुणवत्ता प्रदान करने के अपने मिशन को दर्शाता है ।

ULTRACAB®
WIRES & CABLES
GHAR SURAKSHIT - AAP SURAKSHIT

वायाट्रिस अब भारत में ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफाइड™ !

मायलन लैबोरेटरीज लिमिटेड (एक वायाट्रिस कम्पनी) को भारत में ग्रेट प्लेस टू वर्कज्ञ - की मान्यता (फरवरी 2022 से फरवरी 2023) प्रदान की गई है। यह मान्यता इसका प्रमाण है कि वायाट्रिस अपने कार्यबल और कम्पनी के मिशन के लिए प्रतिबद्ध रही है जिसके तहत कार्मिकों में सही मूल्यों का विकास उन्हें पूरी क्षमता का अनुभव कराया जाता है ताकि वे पूरी दुनिया के लोगों को जीवन की हर अवस्था में अधिक स्वस्थ रहने में सक्षम बनाने के कम्पनी के मिशन को पूरा करें।

यह मान्यता मिलने पर उद्भव गंजू, एचआर प्रमुख - ग्लोबल ऑपरेशंस, इंडिया, इमर्जिंग एशिया एंड एक्सेस मार्केट्स ने कहा, "हमने कर्मचारियों को सक्षमता और विकास का परिवेश दिया है। वायाट्रिस में हमने एक ऐसा परिवेश बनाया है जो प्रदर्शन के आधार पर बढ़ावा देता है, बहुत दिलचस्प है और जिसमें सबका समावेश है। इसमें हमारे साथी कार्मिक अपनी व्यक्तिगत पहचान कायम रख सकते हैं और अपने अनुभवों, दृष्टिकोणों और कौशल का उपयोग कर औरों की जिन्दगी बेहतर बना सकते हैं। हमारा संकल्प काम की जगह को सकारात्मक, लाभदायक बनाना है जहां ईमानदारी हो, मर्यादा और एक दूसरे के लिए आदर हो। द ग्रेट प्लेस टू वर्क-सर्टिफिकेशनज्ञ इस दिशा में हमारे प्रयासों और हमारे सभी कार्मिकों के योगदान का प्रमाण है, जो पूरी दुनिया के लोगों को जीवन की हर अवस्था में स्वस्थ रहने में सशक्त बनाते हैं।"

ग्रेट प्लेस टू वर्क0 काम करने की जगह की संस्कृति के आकलन का विश्वस्तरीय संगठन है। संगठन 1992 से पूरी दुनिया के 100 मिलियन से अधिक कर्मचारियों का सर्वे कर चुका है और उनकी गहरी सूझबूझ का उपयोग कर यह परिभाषा की है कि किसी कार्यस्थल को महान बनाता हैञ विश्वास। संस्थान अपनी यह सेवा 60 से अधिक देशों के व्यवसायों, गैर-लाभकारी और सरकारी एजेंसियों को देता है। भारत में संस्थान सालाना 22 से अधिक उद्योगों के 1100 से अधिक संगठनों के साथ साझेदारी कर हाई-ट्रस्ट, हाई-परफॉर्मेंस कल्चरज्ञ विकसित करने में उनकी मदद करता है जो निरंतर बेहतर व्यावसायिक परिणाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)